वर्ष-08 | अंक-275 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

RNI-MPHIN/2018/75526

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, शनिवार

11

जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ कृष्ण पक्ष-12, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा ने आशुतोष तिवारी को बनाया उम्मीदवार

नरोत्तम ने नामांकन फॉर्म खरीदा; चुनावी सभाएं कर रहे थे, लेकिन पार्टी ने टिकट काटा

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए आशुतोष तिवारी को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया है। प्रत्याशी की घोषणा के साथ ही दतिया में चुनावी मुकाबला तेज हो गया है। भाजपा की सूची में आशुतोष तिवारी के नाम पर मुहर लगने के बाद पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के चुनाव लड़ने की चर्चाएं भी खत्म हो गई हैं। पिछले कुछ दिनों से उनके नाम को लेकर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं।

भाजपा ने नए चेहरे पर लगाया दांव

दतिया उपचुनाव में भाजपा ने अनुभवी नेता और संगठन से जुड़े आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। तिवारी शिवराज सिंह चौहान सरकार के दौरान ग्वालियर क्षेत्र के संगठन मंत्री रह चुके हैं मूल रूप से वे दतिया जिले के भांडेर क्षेत्र के रहने वाले हैं और लंबे समय से संघ व संगठन में सक्रिय रहे हैं। इस सीट पर भाजपा ने एक ब्राह्मण चेहरे की जगह दूसरे ब्राह्मण चेहरे पर भरोसा जताया है। इससे पार्टी ने जातीय समीकरण में बड़ा बदलाव नहीं किया, लेकिन नेतृत्व के स्तर पर नया विकल्प जरूर सामने रखा है।

नरोत्तम खरीद चुके नामांकन फॉर्म

भाजपा के सीनियर लीडर और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को नामांकन पत्र खरीद लिया था। उनकी शुक्रवार को फॉर्म दाखिल करने की चर्चा भी थी। इसी बीच केंद्रीय संगठन ने आशुतोष का नाम घोषित कर दिया। उधर, कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। इससे पहले टिकट के मामले में भारती ने कहा था- अगर पार्टी चाहे तो उनके परिवार के बजाय किसी अन्य नेता को उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

मास्टर प्लान पर भिड़े विधायक-अध्यक्ष

जनपद अध्यक्ष ने मसूद को दिखाई उंगली, बोले- औकात में रहो; बीजेपी एमएलए बोले- स्मार्ट सिटी से भोपाल का नाश

भोपाल। भोपाल कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को दिशा की बैठक में मास्टर प्लान लागू नहीं होने के मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और विधायक आतिफ अकील की फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत से तीखी बहस हो गई। एक-दूसरे की ओर उंगली दिखाकर बात करने से विवाद और बढ़ गया। प्रमोद ने विधायकों को औकात में रहकर बात करने की नसीहत दे दी।

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट 13 जुलाई को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच 3 याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। याचिकाओं में जांच सीबीआई को सौंपने और एसआईटी के गठन के मांग की गई है। साथ ही, मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की भी मांग की गई है। इधर, मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 23 कर्मचारियों ने गुरुवार को एक साथ इस्तीफा दे दिया। उनका कहना है कि चोरी की घटना के बाद 10-20 रुपए के नोट बढ़ गए हैं, जिससे गिनती में ज्यादा समय लग रहा है। पहले 500 रुपए के नोटों की 70-80 गड्डियां बन जाती थीं, अब बमुश्किल 15 गड्डियां बन रही हैं। पहले काम दो शिफ्ट में होता था, लेकिन अब सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक एक ही शिफ्ट कर दी गई है। वेतन वही है और काम के घंटे बढ़ गए हैं। अब बैंक के पास सिर्फ 13 गणना कर्मी बचे हैं। चढ़ावा चोरी से माता सीता का मायका जानकी मंदिर भी आहत है।

दान गिनने वाले 23 कर्मचारियों का इस्तीफा

चढ़ावे में 10-20 रूपये के नोट बढ़े, 500 के घटे

चढ़ावे में 10-20 के नोट बढ़े, 500 के घटे, गिनती मुश्किल

अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में मिलने वाली राशि में बड़ा अंतर आया है। चढ़ावा गिनने वालों के मुताबिक, पहले चढ़ावे में 500 रुपए के नोटों की 70-80 गड्डियां तक बन जाती थीं। इससे गिनती जल्दी पूरी हो जाती थी। अब स्थिति बदल गई है। चढ़ावा चोरी की घटना के बाद 10-20 रुपए के नोटों की संख्या बढ़ गई है। 500 रुपए के नोटों की बमुश्किल 15 गड्डियां बन पा रही हैं। 10-20 रुपए के नोट अधिक होने से गिनती में अब पहले से ज्यादा समय लग रहा है। वेतन और काम के बढ़े हुए घंटों से नाराज 23 कर्मियों ने इस्तीफा दे दिया है। अब बैंक के पास 13 गणना कर्मी ही बचे हैं। गणना कर्मियों का कहना है कि पहले यह काम दो शिफ्ट में होता था। हर कर्मचारी 6-6 घंटे ही काम करता था। अब सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक एक ही शिफ्ट कर दी गई है।

वकील ने सीजेआई का नाम लेकर अपशब्द कहे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई के दौरान एक वकील ने हंगामा किया। सीजेआई सूर्यकांत को अपशब्द कहे और फाइल भी फेंकी। इस दौरान सीजेआई कोर्ट रूम में मौजूद नहीं थे। यह घटना जस्टिस केवी विश्वनाथन, जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। हंगामे के बाद कोर्ट के आदेश पर सिक्योरिटी ने वकील को तुरंत बाहर निकाल दिया। याचिकाकर्ता वकील ने अभद्रता शुरू की, तब कोर्ट रूम में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। दिल्ली पुलिस वकील को पूछताछ के लिए ले गई है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों को आदेश देने लगा, फाइल फेंकी; सिक्योरिटी ने बाहर निकाला

कोर्ट ने नहीं लिया एक्शन

इस वकील के खिलाफ बार काउंसिल भी कार्रवाई कर सकता है। दरअसल, अगर कोई वकील अपने पेशे के नियमों का पालन नहीं करता या गलत आचरण करता है, तो उसके खिलाफ एडवोकेट्स एक्ट, 1961 के तहत कार्रवाई हो सकती है।पहले शुरुआती जांच होती है, अगर जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो उसे बार काउंसिल की अनुशासनात्मक समिति के पास भेजा जाएगा। वकील दोषी मिला तो उसे चेतावनी दी जा सकती है, कुछ समय के लिए वकालत करने से रोका जा सकता है। उसका नाम बार काउंसिल की सूची से हटाया जा सकता है।

अतिथि विद्वानों के मुद्दों पर बनेगी कमेटी-सीएम बोले-

फिक्स सैलरी, नियमितीकरण समेत मांगों पर होगा विचार, अटकाने-लटकाने का समय गया

भोपाल। भोपाल में भारतीय मजदूर संघ के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अतिथि विद्वानों को बड़ी राहत का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अतिथि विद्वानों की फिक्स सैलरी, नियमितीकरण और अन्य लंबित मांगों पर विचार के लिए कमेटी बनाई जाएगी। देश के जिस भी राज्य का बेहतर मॉडल होगा, उसका अध्ययन कर मध्यप्रदेश में लागू करने की कोशिश की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटकाने-लटकाने का समय गया, अब सरकार सकारात्मक सोच के साथ फैसले ले रही है। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से कहा कि वे उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समिति बनाकर अतिथि विद्वानों की मांगों पर काम करें। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभव सहयोग करेगी।

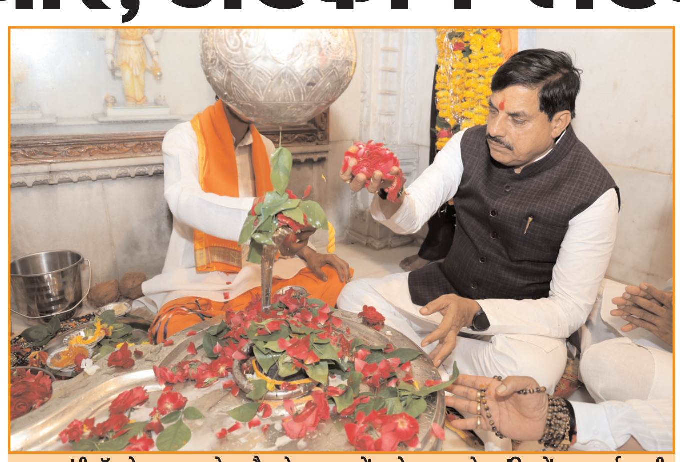

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के नागदा में मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की

फिक्स सैलरी और नियमितीकरण पर होगा मंथन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पहले भी अतिथि विद्वानों के लिए कई फैसले ले चुकी है। अब उनकी बाकी समस्याओं के समाधान की दिशा में भी काम होगा।

मजदूर संघ ने उठाए सामाजिक सुरक्षा के मुद्दे

भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर ने कहा कि अतिथि विद्वानों की सामाजिक सुरक्षा और अन्य लंबित मांगों का जल्द समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास से मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य बनेगा और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

सरकार पहले ही दे चुकी कई सुविधाएं

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि सरकार ने अतिथि विद्वानों को 13 आकस्मिक अवकाश, तीन ऐच्छिक अवकाश, महिला अतिथि विद्वानों को प्रसूति अवकाश, असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में 25 प्रतिशत आरक्षण और साल में एक बार स्थानांतरण की सुविधा दी है। उन्होंने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग में वेतन 12 महीने के बजाय 11 महीने मिलने की समस्या को भी दूर किया जाएगा, ताकि दोनों विभागों के अतिथि विद्वानों के लिए एक जैसी व्यवस्था लागू हो सके।

शिक्षा से ही बनेगा मजबूत समाज

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में भारतीय शिक्षा परंपरा का उल्लेख करते हुए भगवान राम और भगवान कृष्ण के प्रसंगों का जिक्र किया। भारत की शिक्षा व्यवस्था हमेशा दुनिया के लिए प्रेरणा रही है और नई शिक्षा नीति के जरिए मध्यप्रदेश देश में मिसाल बना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का ग्रॉस एनरोलमेंट रेशियो राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर है और अब किताबी ज्ञान के साथ नवाचार पर भी जोर दिया जा रहा है।

ईरान का दावा...अमेरिकी एम क्यू- 9 ड्रोन मार गिराया कहा-होर्मुज में हमला किया तो आर्थिक नुकसान होगा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

ईरान ने दावा किया है कि उसकी एयर डिफेंस प्रणाली ने अमेरिकी एम क्यू- 9 ड्रोन को मार गिराया है। ईरानी न्यूज एजेंसी के मुताबिक, बुधवार को एयर डिफेंस यूनिट ने ड्रोन का पता लगाकर उसे इंटरसेप्ट किया और फिर नष्ट कर दिया। हालांकि अमेरिका ने इस दावे पर फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। इस बीच, आईआरजीसी ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि वह होर्मुज स्ट्रेट में दखल न दे। उसका कहना है कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहे तो स्ट्रेट में सामान्य आवाजाही बहाल नहीं हो पाएगी और इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि उसने मंगलवार और बुधवार को 170 से ज्यादा ईरानी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। अमेरिका के मुताबिक, इन हमलों में एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और ड्रोन भंडार, सैन्य स्पीड बोट और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास मौजूद सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका ने उत्तरी ईरान में चीन और रूस से जुड़े एक रणनीतिक रेलवे पुल पर क्रूज मिसाइल से हमला किया। ईरान ने इसे युद्ध अपराध बताया। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका-ईरान के बीच तनाव दोबारा बढ़ने के बाद होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही गुरुवार को ठप रही। इससे वैश्विक तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ी और कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1त्न की बढ़ोतरी हुई।

अमेरिका ने बुशहर परमाणु ठिकाने के पास हमला किया

ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने बुशहर परमाणु ठिकाने को निशाना बनाते हुए हवाई हमला किया। हालांकि फैसिलिटी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं, ईरान ने अमेरिका के हमलो के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें दागीं।

12 प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाली दवा अब बिना पर्चे के नहीं मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में कफ सिरप और टॉनिक का नशे के रूप में हो रहे गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने एक बेहद सख्त कदम उठाया है। सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में बड़ा संशोधन करते हुए ज्यादा अल्कोहल मात्रा वाली ओरल दवाओं को शेड्यूल एच1 श्रेणी में डाल दिया है। इस फैसले के बाद अब ऐसी दवाएं काउंटर पर खुलेआम बिना डॉक्टर के पर्चे के नहीं बेची जा सकेंगी। सरकार द्वारा जारी नए नियमों के मुताबिक, दो शर्तों को पूरा करने वाली सभी ओरल लिक्विड दवाएं अब कड़ी निगरानी के दायरे में होंगी जो भी दवा 30 मिलीलीटर से बड़ी पैकिंग में आती है।

अल्कोहल की मात्रा: जिसमें इथाइल अल्कोहल की मात्रा 12 प्रतिशत से अधिक है। इन दोनों मापदंडों के दायरे में आने वाली सभी दवाओं को अब शेड्यूल एच1 लिस्ट में शामिल कर दिया गया है।

'शेड्यूल के' की छूट भी खत्म

सरकार ने इस बदलाव के तहत 'शेड्यूल के' में भी संशोधन किया है। इसके तहत पहले जिन दवाओं को नियमों और बिक्री में कुछ विशेष छूट मिलती थी, वह छूट अब 30 द्वद्य से बड़ी और 12प्रतिशत से ज्यादा अल्कोहल वाली ओरल दवाओं पर लागू नहीं होगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य ऐसी दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग से लेकर रिटेल काउंटर तक पूरी सप्लाई चेन पर सख्त निगरानी रखना है।

राजपाल को 3 महीने की जेल, पत्नी पर जुर्माना

शाहजहांपुर। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव के चेक बाउंस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने उन्हें तीन महीने की जेल की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने चेक बाउंस के 7 मामलों में से हर एक में उन्हें तीन महीने जेल की सजा सुनाई है। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। जस्टिस स्वर्णकांता ने अफसरों से राजपाल को जेल भेजने के लिए कहा। राजपाल यादव का रवैया संदिग्ध है। उन्हें अपना वादा निभाने और कंपनी का कर्ज वापस करने के लिए कई मौके दिए गए, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके।

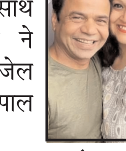

चेक बाउंस केस में दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला, कहा- एक्टर को 7.35 करोड़ चुकाने होंगे

अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरी 108 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा

ओंकारेश्वर में स्थापित एकात्मता की मूर्ति पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)

पवित्र नगरी ओंकारेश्वर में 'एकात्म धाम' में स्थापित आदिगुरु शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची बहुधातु प्रतिमा–'एकात्मता की मूर्ति' पूर्णतः सुरक्षित, सुदृढ़ और संरचनात्मक रूप से अत्यंत मजबूत है। संस्कृति विभाग के 'आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास' द्वारा वर्ष 2023 में स्थापित की गई यह भव्य प्रतिमा अत्याधुनिक इंजीनियरिंग और उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इसके निर्माण, अभिकल्पना और सुरक्षा आकलन में देश-विदेश की सर्वोच्च और अत्यंत प्रतिष्ठित विशेषज्ञ संस्थाओं की सेवाएँ ली गई हैं।

एल एंड टी कंपनी ने किया है निर्माण: मुख्य अभियंता एवं परियोजना संचालक एकात्मधाम राजीव श्रीवास्तव ने बताया कि ऐतिहासिक प्रतिमा 'एकात्मता की मूर्ति' का निर्माण कार्य मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण करने वाली देश की अग्रणी कंपनी मैसर्स एल एंड टी के माध्यम से संपन्न कराया है। मूर्ति के कॉस्टिंग का महत्वपूर्ण कार्य भी 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' जैसी वैश्विक धरोहर बनाने वाली ख्याति प्राप्त कंपनी जेटीक्यू द्वारा किया गया है।

आईआईटी चेन्नई एवं दिल्ली से तकनीकी परामर्श : प्रतिमा के संरचनात्मक स्थायित्व के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान चेन्नई एवं आईआईटी दिल्ली जैसी सर्वोच्च संस्थाओं से विस्तृत तकनीकी परामर्श प्राप्त किया गया है। प्रतिमा का मिक्स डिजाइन और अत्याधुनिक 'सीज़मिक एनालिसिस' (भूकंपीय विश्लेषण) जैसे अत्यंत संवेदनशील परीक्षण आईआईटी मद्रास द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं। वहीं, इस भव्य प्रतिमा की अभिकल्पना अवधि 500 वर्ष या उससे अधिक निर्धारित की गई है, जो इसके दीर्घकालिक स्थायित्व को अकाट्य रूप से प्रमाणित करती है।

प्रतिमा की गणना 169 किमी की वायु गति पर की गई

कठोर पैमानों पर भी प्रतिमा की डिजाइन पूर्णत : सुरक्षित और अचूक पाई गई है । इसी क्रम में, विश्व विख्यात जर्मन विंड इंजीनियरिंग कंपनी मैसर्स वर्नर सोबेक एजी द्वारा प्रतिमा का व्यापक ' विंड टनल एनालिसिस ' किया गया है । ओंकारेश्वर क्षेत्र के लिए निर्धारित मानक वायु दबाव (140 किमी/घंटा) की तुलना में इस प्रतिमा की गणना 169 किमी/घंटा की अत्यधिक उच्च वायु गति पर की गई है, जो विपरीत से विपरीत मौसम में भी इसके अडिग रहने की गारंटी देती है ।

मध्यप्रदेश में गगनयान के 5वें पैराशूट का हुआ हवाई परीक्षण

आईमैट परीक्षण मप्र के श्योपुर में हवाई वितरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान में किया गया

भोपाल (एजेंसी)

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने पहले मानव अंतरिक्ष अभियान गगनयान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए पैराशूट का हवाई परीक्षण (आईमैट) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

यह आईमैट परीक्षण मंगलवार को मध्य प्रदेश के श्योपुर में हवाई वितरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई) में आयोजित किया गया था। यह परीक्षण इसलिए किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतरिक्ष से लौटते समय अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित तरीके से पृथ्वी पर उतारा जा सके। गगनयान के क्रू मॉड्यूल (जहाँ अंतरिक्ष यात्री बैठेंगे) को सुरक्षित उतारने के लिए कुल 10 पैराशूट लगाए गए हैं। ये चार अलग-अलग प्रकार के होते हैं और एक तय क्रम में खुलते हैं। सबसे पहले 2 एपेक्स कवर पैराशूट खुलते हैं। इनका काम पैराशूट वाले हिस्से का ढक्कन हटाना होता है। इसके बाद 2 ड्रोग पैराशूट'' खुलते हैं। ये अंतरिक्ष यान को संतुलित करते हैं और उसकी तेज़ रफ्तार कम करना शुरू करते हैं। फिर 3 पायलट पैराशूट खुलते हैं। इनका काम 3 बड़े मुख्य पैराशूट को बाहर निकालना होता है। अंत में 3 मुख्य पैराशूट पूरी तरह खुल जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जन्मदिन को बनाया ब्लड डोनेट डे, विनोद गेलानी ने किया 70वां रक्तदान

सतना। जन्मदिन को मानव सेवा का पर्व बनाने की अनूठी मिसाल प्रस्तुत करते हुए समाजसेवी एवं रक्त प्रेरक विनोद गेलानी ने अपने जन्मदिन पर 70 वाँ स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता के प्रति अपनी सेवा भावना का परिचय दिया। उल्लेखनीय है श्री गेलानी पिछले 35 वर्षों से निरंतर नि:स्वार्थ सेवा भाव से सर्व समाज को रक्त की सेवा प्रदान कर रहे हैं एवं अभी तक 7150 यूनिट से ज्यादा रक्तदान करवाने का कीर्तिमान भी स्थापित किया है। श्री गेलानी ने कहा कि जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का प्रयास है। रक्तदान ऐसा महादान है, जिससे एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन की रक्षा कर सकता है उन्होंने युवाओं, मातृशक्ति एवं 60 प्लस के युवाओं से अपील की है कि वे अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगाँठ तथा अन्य विशेष अवसरों को रक्तदान जैसे पुण्य कार्य से जोड़कर समाज में सेवा और संवेदनशीलता का संदेश दें। शुभचिंतकों ने 70 वें रक्तदान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया है।

[समीक्षा] शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने दिए निर्देश

समीक्षा बैठक से बार-बार कर्मचारी जा रहे थे वॉशरूम, कमिश्नर ने सभी का करा दिया शुगर टेस्ट

नगर संवाददाता ■ सतना

मैहर जिले में संभागीय कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह की पहली बैठक गुरूवार को उस वक्त चर्चा का विषय बन गई जब कमिश्नर ने सभी कर्मचारियों का सुगर टेस्ट करने का निर्देश दिया। दरअसल समीक्षा बैठक के बीच तमाम अधिकारी बार-बार वॉशरूम जा रहे थे, इस बात से कमिश्नर नाराज हो गए। उन्होंने सीएमएसओ को निर्देश दिया कि मेडिकल टीम बुलाकर टेस्ट कराएं। पहले को कमिश्नर की बातों को सीएमएसओ ने हल्के में लिया और उन्होंने कोई दल नहीं बुलवाया। जिसके बाद कमिश्नर ने सवाल किया कि कितने सेंपल हो गए? यह सवाल सुनते ही सीएमएचओ ने आनन-फानन में टीम को गेट पर तैनात किया, जिसके बाद कर्मचारियों के सेंपल लिए गए। उल्लेखनीय है कि कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने, कलेक्टर मैहर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी, पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, अपर कलेक्टर संजना जैन, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एसपी मिश्रा, डॉ. आरती सिंह, डिप्टी कलेक्टर आशिमा पटेल, सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे, आरटीओ रवि बरेलिया सहित विभागीय अधिकारी उपस्थिति में समीक्षा चल रही थी।

पीएम आवास पूर्ण करने के निर्देश

कमिश्नर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन हितग्राहियों को राशि जारी हो चुकी है, उनके आवासों का निर्माण शत-प्रतिशत पूर्ण कराया जाए। अपूर्ण कार्यों में नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) एवं धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए इनके शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत बंद पड़े शौचालयों का सत्यापन कर उन्हें पुन: उपयोग में लाने पर भी जोर दिया। कमिश्नर ने विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देते हुए कमिश्नर ने सीईओ जिला पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी, डीपीएम एनआरएलएम को स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार तेल, मसालों का उपयोग स्कूलों में मध्यान्ह भोजन में शत-प्रतिशत करें। स्वच्छ भारत मिशन के कायोज़ की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने डीईओ, डीपीसी को निर्देशित किया कि जिले के शत-प्रतिशत विद्यालयों में शौचालयों की साफ-सफाई का कार्य स्वच्छता साथी के माध्यम से कराये।

यह निर्देश दिए

कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन गंभीरता से करें तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाएं। लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा नियमित मॉनिटरिंग के माध्यम से योजनाओं की सतत समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने सभी स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त स्थानों पर पौधारोपण एवं उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। साथ ही एक बगिया मां के नाम अभियान के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर बल दिया।

उपकार हम हैं सोसाइटी की बेटियों को गुजरात में मिला कैंपस प्लेसमेंट, खुशी से झूम उठा परिवार

नगर संवाददाता ■ सतना

मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से सपनों को साकार करने का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है। 'उपकार हम हैं सोसाइटी' की बेटियों ने विट्स कॉलेज के कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से गुजरात की एक प्रतिष्ठित कंपनी में नौकरी हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन किया है। सोसाइटी से जुड़ी ये बेटियां तीसरी कक्षा से ही शिक्षा प्राप्त कर रही थीं। वर्षों की मेहनत और संघर्ष के बाद मिली इस सफलता ने सभी को गौरवान्वित कर दिया है। छात्राओं की इस उपलब्धि में विट्स कॉलेज के चेयरमैन सुनील सेनानी एवं उनकी पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से बेटियों को रोजगार का यह सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। इस उपलब्धि पर सोसाइटी में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। नीता खन्ना मां, वंदना नैयर मां, ममता चमड़िया मां एवं मेघा जॉली ने बेटियों को उपहार भेंट कर तथा पार्टी देकर उनका उत्साह बढ़ाया। वहीं सोसाइटी के सदस्यों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी व्यक्त की और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि बेटियों को सही शिक्षा, अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकती हैं। यह सफलता 'उपकार हम हैं सोसाइटी' की सकारात्मक सोच, सामाजिक सरोकार और शिक्षा के प्रति समर्पण का परिणाम है। बेटियों की यह उपलब्धि समाज की अन्य बालिकाओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी और उन्हें अपने सपनों को साकार करने की नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

बरगी परियोजना: स्लीमनाबाद टनल में सिर्फ 18 मीटर खुदाई बाकी

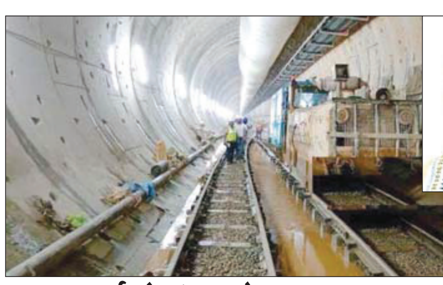

■ 14 जुलाई को सांसद गणेश सिंह तकनीकी टीम के साथ करेंगे निरीक्षण

नगर संवाददाता ■ सतना

बरगी दाई तट नहर परियोजना के उस सबसे अहम और चुनौतीपूर्ण हिस्से में अब अंतिम चरण का काम चल रहा है, जिसका इंतजार वर्षों से किसान और पूरा विंध्य क्षेत्र कर रहा है। स्लीमनाबाद की टनल, जिसे इस परियोजना की सबसे बड़ी तकनीकी बाधा माना जा रहा था, अब लगभग पूरी होने की स्थिति में है। तीन दिन पहले तक जहां टनल में 38 मीटर खुदाई शेष थी, वहीं अब यह दूरी घटकर सिर्फ 18 मीटर रह गई है। निर्माण एजेंसी को उम्मीद है कि 15 जुलाई तक टनल का ब्रेक-थ्रू हो जाएगा और इस महत्वपूर्ण चरण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। बरगी दाईं तट परियोजना सतना और मैहर जिले के किसानों के लिए जीवनदायिनी मानी जा रही है। परियोजना पूरी होने के बाद नर्मदा का पानी हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि तक पहुंचेगा, जिससे सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी और किसानों की वर्षों पुरानी पानी की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकेगी। यही वजह है कि इस परियोजना की प्रगति पर प्रदेश सरकार की भी लगातार नजर बनी हुई है।

टीम के साथ जाएंगे गणेश सिंह-बीते दिनों सतना सांसद गणेश सिंह ने तकनीकी अधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया था। उस समय टनल में 38 मीटर खुदाई शेष थी। निर्माण कार्य की तेज रफ्तार को देखते हुए अब यह दूरी घटकर 18 मीटर रह गई है। सांसद एक बार फिर 14 जुलाई को तकनीकी विशेषज्ञों और मीडिया टीम के साथ स्लीमनाबाद पहुंचेंगे, जहां वे निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेंगे और इंजीनियरों से परियोजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेंगे। सूत्रों के अनुसार, 14 जुलाई का निरीक्षण इस परियोजना के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यदि टनल का कार्य तय समय पर पूरा होने की पुष्टि होती है तो इसके बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि बरगी से छोड़ा जाने वाला नर्मदा का जल आखिर किस महीने सतना और मैहर क्षेत्र तक पहुंचेगा।

सीएम-सांसद की सीधी नजर-बरगी दाईं तट परियोजना प्रदेश की महत्वाकांक्षी सिंचाई योजनाओं में शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं इसकी प्रगति की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। वहीं सतना सांसद गणेश सिंह भी मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में परियोजना की लगातार मॉनीटरिंग कर रहे हैं, ताकि निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर पूरा हो और विंध्य अंचल के किसानों को जल्द से जल्द नर्मदा के जल का लाभ मिल सके।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भारत विकास परिषद में मनाया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

नगर संवाददाता ■ सतना

सेवा, समर्पण, सद्भावना, सहयोग के उद्देश्य को लेकर गठित राष्ट्रीय संस्था भारत विकास परिषद सतना द्वारा श्रीमती श्रेया ताम्रकार के संयोजन में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। परिषद के पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि गत दिवस वेंकट क्रमांक 2 विद्यालय में 'नशा मुक्ति जागरूकता' के बारे में संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक गण सहित समस्त विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉक्टर अमित अग्निहोत्री ने बड़े ही सारगर्भित ढंग से नशे की लत से होने वाले नुकसान एवं उसके बचाव के बारे में प्रभावी वक्तव्य दिया एवं छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का बड़े रोचक ढंग से जवाब दिया जिसे सभी ने सराहा। कार्यक्रम के बीच विद्यालय के शिक्षक गण एवं प्राचार्य को भारत विकास परिषद द्वारा शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित गोष्ठी से सभी को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली जीने की प्रेरणा प्राप्त हुई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जितेंद्र जैन, भूपेंद्र जैन, विनोद पंडित, शिवम भारतीय, श्रेया ताम्रकार, डॉक्टर अमित अग्निहोत्री, राजेश अग्रवाल टीटू, श्रीमती क्रांति जैन, रजनी जैन, आभा अग्रवाल, राधा गुप्ता की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

रोटरैक्ट क्लब ऑफ सतना ने स्वर्ण जयंती वर्ष में किया प्रवेश

■ 50 वर्षों की सेवा यात्रा पूर्ण

नगर संवाददाता ■ सतना

रोटरैक्ट क्लब ऑफ सतना अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में क्लब के गौरवशाली इतिहास, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी साझा की गई। क्लब आगामी 11 जुलाई को अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे करेगा।

पत्रकार वार्ता में बताया गया कि क्लब की नींव 16 जनवरी 1976 को रखी गई थी तथा 11 जुलाई 1976 को चार्टर प्राप्त होने के बाद यह आधिकारिक रूप से अस्तित्व में आया। रोटरी क्लब सतना के सहयोग से स्थापित यह क्लब आज डिस्ट्रिक्ट 3120 का सबसे पुराना एवं निरंतर सक्रिय रोटरैक्ट क्लब है। क्लब ने अब तक डिस्ट्रिक्ट को सर्वाधिक छह डिस्ट्रिक्ट रोटरैक्ट रिप्रेजेंटेटिव दिए हैं, जो इसकी नेतृत्व क्षमता और सक्रियता का प्रमाण है। क्लब द्वारा पिछले पांच दशकों में पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, जल एवं स्वच्छता, माता-शिशु स्वास्थ्य, शांति स्थापना तथा सामुदायिक आर्थिक विकास जैसे रोटरी इंटरनेशनल के सातों प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान शिविर, नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, शिक्षा सामग्री वितरण, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम और आपदा राहत कार्य क्लब की प्रमुख गतिविधियों में शामिल रहे हैं। युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए हर वर्ष खेलकूद एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। साथ ही, क्लब पिछले दस वर्षों से उपकार सोसाइटी के विशेष बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाकर सामाजिक समरसता का संदेश भी दे रहा है। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष केवल अतीत की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि भविष्य के लिए नई ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक है।

मेडिकल कॉलेज परिसर में जेन-जी थीम आधारित पोस्ट ऑफिस शुरू

■ मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल विनीत माथुर ने इसका उद्घाटन

नगर संवाददाता ■ सतना

जिले का पहला जेन-जी थीम आधारित नेक्स्ट जनरेशन (एन-जेन) पोस्ट ऑफिस शुरू हो गया है। इंडिया पोस्ट ने गुरुवार को सतना मेडिकल कॉलेज परिसर में इसका शुभारंभ किया। मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल विनीत माथुर ने इसका उद्घाटन किया। यह जबलपुर रीजन का अपनी तरह का पहला पोस्ट ऑफिस है, जो पारंपरिक डाकघरों की छवि को बदलकर युवाओं को 'वर्क कैफे' जैसा अनुभव देगा। इस नए पोस्ट ऑफिस का इंटीरियर आधुनिक वर्क कैफे की तर्ज पर डिजाइन किया गया है, जो नई पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखता है। यहां फ्री वाई-फाई, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, लैपटॉप और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, कॉफी वेंडिंग मशीन, किताबों और बोर्ड गेम्स से सुसज्जित बुक-बूथ जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य है कि विद्यार्थी और युवा डाक सेवाओं का उपयोग करने के साथ-साथ पढ़ाई, काम और संवाद के लिए भी इस स्थान का उपयोग कर सकें। खुद ही पार्सल और डाक बुक कर सकेंगे मुख्य डाकघर के जनसंपर्क अधिकारी अभिषेक खरे ने बताया कि एन-जेन पोस्ट ऑफिस को 'डू-इट-योरसेल्फ' (डीआईवाई) अवधारणा पर विकसित किया गया है। ग्राहक यहां सेल्फ बुकिंग कियोस्क के माध्यम से खुद ही पार्सल और डाक बुक कर सकेंगे। इसके अलावा, क्यूआर कोड आधारित तत्काल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है, जो पूरी प्रक्रिया को तेज और आसान बनाएगी। पोस्ट ऑफिस में एक 'माय स्टाम्प' काउंटर भी स्थापित किया गया है, जहां ग्राहक अपनी पसंद की तस्वीर या डिजाइन के साथ व्यक्तिगत डाक टिकट प्रिंट करा सकते हैं। इंडिया पोस्ट का मानना है कि यह पहल युवाओं को आधुनिक, डिजिटल और सुविधाजनक डाक सेवाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ए.के.एस. के डॉ.प्रमोद सिंह के मार्गदर्शन में साइबर सुरक्षा उपकरण को भारत सरकार से अभिकल्प पंजीकरण

सतना। ए.के.एस. विश्वविद्यालय, सतना के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद सिंह के मार्गदर्शन में विकसित 'क्लाउड कंप्यूटिंग में अनधिकृत घुसपैठ की पहचान हेतु मशीन लर्निंग आधारित उपकरण' को भारत सरकार के डिज़ाइन कार्यालय द्वारा अभिकल्प (डिज़ाइन) पंजीकरण प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के अनुसंधान, नवाचार एवं तकनीकी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में संस्थान की शोध क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाली है। इस अभिनव तकनीकी उपकरण का अभिकल्प पंजीकरण संख्या 499777-001 के अंतर्गत 27 अप्रैल 2026 को किया गया। इस अनुसंधान एवं नवाचार कार्य में डॉ. प्रमोद सिंह, डॉ. पिंकी शर्मा, अक्षय सिंह ठाकुर, शंकर बेरा, विनय कुमार द्विवेदी तथा संतोष सोनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शोध दल ने मशीन लर्निंग आधारित ऐसी तकनीक विकसित की है, जो क्लाउड कंप्यूटिंग वातावरण में होने वाली संदिग्ध एवं अनधिकृत गतिविधियों का विश्लेषण कर साइबर हमलों की प्रारंभिक अवस्था में ही उनकी पहचान करने में सक्षम है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी.पी. सोनी, प्रो-चांसलर ई. अनंत कुमार सोनी, कुलपति प्रो. बी.ए. चोपड़े तथा कुलसचिव डॉ. आर.एस. त्रिपाठी ने डॉ. प्रमोद सिंह एवं उनकी शोध टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

[अपराध] परिजनों ने वार्ड ब्वाय को पीटा, जिला अस्पताल में देर रात हंगामा

नहीं मिला स्ट्रेचर व ऑक्सीजन, सड़क हादसे में घायल की मौत के बाद बवाल

नगर संवाददाता ■ सतना

जिला अस्पताल में गुरुवार रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब सडक़ हादसे में घायल एक मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में समय पर न तो स्ट्रेचर उपलब्ध कराया गया और न ही ऑक्सीजन दी गई, जिसके चलते घायल ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और आरोपित वार्ड बॉय के साथ मारपीट कर दी। हालात बिगड़ते देख अस्पताल प्रबंधन को पुलिस बुलानी पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला, लेकिन कई घंटों तक अस्पताल परिसर में तनाव का माहौल बना रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घायल को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था, लेकिन शुरूआती इलाज में देरी और संसाधनों की कमी ने स्थिति और बिगाड़ दी। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने मामले की जांच कराने की बात कही है। घटना के बाद एक बार फिर जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। मरीजों के परिजनों का कहना है कि यदि समय पर प्राथमिक सुविधाएं मिल जातीं, तो शायद मरीज की जान बचाई जा सकती थी।

मेडिकल कॉलेज रेफर करने की सलाह

मामला गुरूवार की देर रात साढे 11 बजे का है जब दुर्घटना में घायल अति गंभीर शिवचरण चौधरी पिता रामधनी चौधरी उम्र 38 साल निवासी शिवपुर थाना रैगांव को अस्पताल के वार्ड क्र. 2 आर्थो वार्ड में भर्ती किया गया था। मरीज की हालत अति गंभीर थी जिसके चलते वार्ड के डाक्टरों द्वारा मेडिकल कॉलेज रेफर करने की सलाह दी गई। इलाज के दौरान ही मरीज की मौत हो गई जिसके बाद आक्रोशित परिजनों द्वारा परिसर में हंगामा किया गया। परिजनों ने आरोप लगाए कि अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था देखने वाला कोई नहीं है। रेफर करने के बाद भी सुविधाएं नहीं मिली। वार्ड के स्टाफ द्वारा तत्काल चिकित्सा व्यवस्था नहीं की गई जिसके चलते मरीज की मौत हो गई।

दो थानों की पहुंची पुलिस

मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्ड और सुपरवाइजर द्वारा अस्पताल में संचालित चौकी में सूचना दी गई इसके अलावा डायल-112 में भी सूचित किया गया। सुपरवाइजर ने बताया कि वार्ड ब्वाय को मृतक मरीज के परिजन पकड़े थे और अस्पताल गेट के बाहर हंगामा हो रहा था। बढ़ता हंगामा देख पहले अस्पताल चौकी के आरक्षक द्वारा मामला शांत कराने की कोशिश की गई लेकिन भीड़ शांत नहीं हुई। करीब आधे घंटे बाद कोलगवां थाना एवं सिटी कोतवाली की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के हस्ताक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। परिजन पीएम के लिए राजी हुए। गुरूवार की देर शाम पीएम कराने के बाद शव लेकर परिजन रवाना हो गए।

देखते-देखते बिगड़ी बात

देखते ही देखते विवाद मारपीट और अभद्रता में तब्दील हो गया। परिजनों द्वारा चिकित्सकीय स्टाफ से अभद्रता की गई, वहीं मौके पर मौजूद वार्ड ब्वाय देवशरण पटेल के साथ मारपीट की गई। वार्ड ब्वाय को कालर पकड़ कर अस्पताल परिसर के बाहर तक घसीटा गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि मरीज को आपातकालीन व्यवस्था में न तो स्ट्रेचर मिला और न ही चिकित्सकीय सुविधाएं। वार्ड ब्वाय को हर जगह तलाशा गया लेकिन वह भी उपलब्ध नहीं हुआ।

शहर में एमपीआईडीसी की शाखा कार्यालय खोलने से उद्योगों को मिलेगी रफ्तार : चेम्बर

नगर संवाददाता ■ सतना

विन्ध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज सतना ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सतना में एमपीआईडीसी (मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) का शाखा कार्यालय स्थापित करने की मांग की है। चेम्बर महामंत्री इंजी. मनोज कटारे ने बताया कि सतना जिला विंध्य क्षेत्र का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्र है। यहाँ सीमेंट, खनिज, परिवहन, कृषि आधारित उद्योग तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं, फिर भी सतना जिले के औद्यौगिक विकास को गति नही मिल रही है। उद्योगों से संबंधित कार्यों के लिए उद्यमियों को जबलपुर या भोपाल के एमपीआईडीसी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है, जिसके कारण निवेषको मे उत्साह की कमी देखी जा रही है। चेम्बर ने बताया कि सतना जिले में रघुराजनगर, मझगवां, कोठी, बिरसिंहपुर, रामपुर बाघेलान, नागौद, उचेहरा एवं बाबूपुर में लगभग 500 एकड़ औद्योगिक भूमि एमपीआईडीसी के पास उपलब्ध है परन्तु इसका लाभ जिले को नही मिल पा रहा है। चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने कहा सतना में एमपीआईडीसी का कार्यालय खुलने से निवेशकों को एक ही छत के नीचे जमीन आवंटन, एनओसी लोन एवं अन्य सुविधाएं मिलेंगी। यह विन्ध्य क्षेत्र के औद्योगिक विकास की दिशा में एक दूरदर्शी कदम होगा। चेम्बर को पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री जी इस जनहित एवं उद्योग हित के प्रस्ताव पर सकारात्मक निर्णय लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बजरंगदल ने गोविंदगढ़ कालेज में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रीवा। बजरंगदल द्वारा सेवा सप्ताह के साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत गोविंदगढ़ प्रखंड अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय गोविन्दगढ़ में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 57 ने लोगों ने सेवा का लाभ उठाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय प्राचार्य उपामा सिंह ,बजरंगदल विभाग संयोजक दुर्गेश द्विवेदी, हरिओम तिवारी, आर्यन पाण्डेय, डॉ. आकाश तिवारी, राजकपूर शुक्ला, रविशंकर यादव एवं समस्त महाविद्यालय परिवार मौजूद रहा।

औघड़ दास बाबा की तृतीय पुण्यतिथि व मूर्ति भूमि-पूजन प्रारंभ

रीवा। महर्षि श्री औघड़ दास बाबा जी की तृतीय पुण्यतिथि के पावन अवसर पर आगामी 9 और 10 जुलाई को दो दिवसीय भव्य आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान जहां क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए जप, तप और हवन किए जाएंगे, वहीं बाबा जी की पावन स्मृति में उनकी एक भव्य एवं दिव्य मूर्ति स्थापना हेतु भूमि-पूजन भी संपन्न होगा। धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं और बाबा जी के भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। दो दिवसीय अनुष्ठान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दो दिवसीय महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। 9 जुलाई को प्रातः 9 बजे से शाम 6 बजे तक वैदिक मंत्रोचार के बीच पावन कलश की स्थापना की गई। इसके पश्चात क्षेत्र के कल्याण के लिए विशेष शिव पूजा-पाठ, जप एवं तप का क्रम अनवरत चला। 10 जुलाई को श्री औघड़ दास बाबा जी की भव्य-दिव्य मूर्ति स्थापना के लिए विधि-विधान से भूमि-पूजन किया जाएगा। इसके साथ ही भजनावलियों द्वारा शिव भजनों की अमृत वर्षा की जाएगी। दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक महाप्रसाद का आयोजन किया गया है।

प्रभा सोहगौरा कांग्रेस सेवादल की प्रदेश सचिव नियुक्त

रीवा। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती संगीता काकरिया की अनुशंसा पर अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के मुख्य आयोजक द्वारा श्रीमती प्रभा सोहगौरा को मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर श्रीमती प्रभा सोहगौरा ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वे उन्हें सौंपे गए दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करेंगी। श्रीमती प्रभा सोहगौरा को मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल का प्रदेश सचिव नियुक्त किए जाने पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव श्रीमती कविता पाण्डेय, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा, सेमरिया विधायक अभय मिश्रा, रीवा नगर निगम के महापौर अजय मिश्रा बाबा, लोकसभा प्रत्याशी नीलम मिश्रा, पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, मनगवां विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी बबिता साकेत, पूर्व विधायक शीला त्यागी, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव रवि तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव सज्जन पटेल, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष अनिल तिवारी सहित अनेक कांग्रेसजनों ने उन्हें शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक एवं संगठनात्मक भविष्य की कामना की।

अस्पताल चौराहा में अतिक्रमण का फैला जाल

बहसबाजी के बाद अतिक्रमण विरोधी दल ने जब्त किया ठेला, गोमटी, ठोका चालान

नगर संवाददाता ■ रीवा

शहर में बढ़ते अतिक्रमण के विरुद्ध 9 जुलाई को नगर निगम के अतिक्रमण दल द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई करते हुए सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमणमुक्त कराया गया। अभियान के दौरान धोबिया टंकी स्थित श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के मुख्य द्वार के समीप अवैध रूप से गुमटी रखकर आवागमन बाधित किया जा रहा था तथा सड़क की पटरी पर व्यवसाय संचालित किया जा रहा था। संबंधित व्यक्ति को पूर्व में समझाइश दिए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिस पर कार्रवाई करते हुए निगम टीम द्वारा एक हजार रुपये का चालानी किया गया। साथ ही ठेला एवं गुमटी जब्त कर ली गई। संबंधितो को सख्त चेतावनी दी गई कि मेडिकल कॉलेज परिसर के आसपास अथवा सड़क की पटरी पर पुनः किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

चोरहटा बाइपास से हटाये गये झुग्गी झोपड़ी

इसके अलावा नगर निगम के अतिक्रमण दल द्वारा वार्ड क्रमांक 4 के चोरहटा बायपास क्षेत्र में टाटा एजेंसी के समीप अस्थायी रूप से निर्मित झुग्गी-झोपड़ी को हटाया गया तथा सर्विस रोड पर किए गए अस्थायी अतिक्रमणों को भी हटाकर आवागमन सुचारू कराया गया। वहीं न्यू बस स्टैंड के आसपास ठेला एवं गुमटी संचालकों को व्यवस्थित करते हुए सड़क की पटरी से अतिक्रमण हटाया गया। सुंदर नगर आवास कॉलोनी में झोपड़ी बनाकर व्यापार किया जा रहा था, जिसे हटाकर क्षेत्र को व्यवस्थित किया गया। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों एवं सड़कों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। भविष्य में भी अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उक्त कार्रवाई में अतिक्रमण प्रभारी राजेश चतुर्वेदी, रावेन्द्र शुक्ला, सुखेन्द्र चतुर्वेदी, अतिक्रमण सहायक ज्ञानेंद्र द्विवेदी सहित नगर निगम का अतिक्रमण अमला उपस्थित रहा।

कर्ज से डूबे प्रदेश पर आर्थिक बोझ डालना सरासर गलतः अजय खरे

नगर संवाददाता ■ रीवा

सरदार सरोवर बांध प्रोजेक्ट विवाद में मध्यप्रदेश की मोहन सरकार ने गुजरात और केन्द्र सरकार के दवाब में मुआवजे की 7669 करोड़ रुपए की बड़ी राशि पर अपना दावा छोड़कर भारी भरकम कर्ज और आर्थिक तंगी से जूझ रही प्रदेश की अर्थ व्यवस्था को और अधिक घाटे में डाला है। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि सरदार सरोवर बांध का शिलान्यास सन 1961 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने किया था। कालांतर में इस बांध की ऊचाई को बढ़ाए जाने से मध्यप्रदेश को सबसे अधिक समस्याओं से जूझना पड़ा है। बड़े पैमाने पर जल जंगल जमीन और जन डूब क्षेत्र में आने से उसकी भरपाई आज तक संभव नहीं हो पाई। मध्यपदेश के लाखों लोगों का विस्थापन किसी भयावह त्रासदी से कम नहीं है। ऐसे लोगों को आज तक सही राहत नहीं मिल पाई है। पहले बांध की ऊचाई 80.3 मीटर तय थी जिसे बढ़ाकर 138.68 मीटर ले जाया गया। इससे विस्थापन की समस्या और विकराल हुई। इधर मध्यप्रदेश सरकार ने गुजरात से वसूली जाने वाली मुआवजा राशि 7669 करोड़ रुपए को नहीं लेने का निर्णय लेकर प्रदेश की जनता को और अधिक आर्थिक तंगी में डाल दिया है। मध्यप्रदेश को बांध निर्माण कार्य में अब लगभग 1500 करोड़ की रुपए की जगह केवल 231. 80 करोड रुपए गुजरात को देने पड़ेंगे। दरअसल निर्माण कार्य में मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी खर्च 31.98 प्रतिशत से घटाकर 16.7 प्रतिशत किए जाने से गुजरात को पहले की तुलना में कम राशि देनी होगी। यह काफी तकलीफदेह बात है कि 7669 करोड़ रुपए का मुआवजा दावा छोड़कर 1268 करोड़ रुपए की बचत की बात प्रचारित करके जनता की आंखों में धूल झोंकी जा रही है। श्री खरे ने कहा कि सरदार सरोवर बांध का सर्वाधिक लाभ गुजरात को मिला और मध्यप्रदेश लंबे समय तक उसकी कीमत चुकाता रहेगा। गुजरात की तुलना में मध्यप्रदेश अभी काफी पीछे है। ऐसी स्थिति में मध्य प्रदेश को दबाकर गुजरात को अनुचित लाभ दिया जाना सरासर गलत है। मोहन सरकार के आत्म समर्पण से जन भावनाएं आहत हुई हैं।

ग्रामवासियों को इण्डिया पोस्ट के सभी पैरामीटर्स में दें त्वरित सेवाएः मुख्य पोस्टमास्टर जनरल

नगर संवाददाता ■ रीवा

8 जुलाई को रीवा डाक संभाग अंतर्गत ग्राम रौसर में 30 शाखा डाकघरों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विनीत माथुर मुख्य पोस्टमास्टर जनरल मप्र परिमण्डल भोपाल के मुख्य आतिथ्य एवं अजेय सिंह निदेशक डाक सेवाएं परिक्षेत्रीय कार्यालय जबलपुर के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। बैठक में शाखा डाकघरों के कार्य निष्पादन, डाक बैकिंग सेवाओं,आधार सेवाओं, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, तथा अन्य प्रमुख विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य पोस्टमास्टर जनरल द्वारा सभी शाखा डाकपालों एवं कर्मचारियों को आगमी माह में निर्धारित विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समर्पित भाव से कार्य करने तथा जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। बैठक में मुख्य रूप से एसके पाण्डेय सहायक निदेशक बचत बैंक एवं ग्राहक संतुष्टि भोपाल, इन्द्र कुमार लिल्हारे सहायक निदेशक जबलपुर,अमित पाण्डेय सहायक निदेशक जबलपुर, प्रदीप कुमार खरे अधीक्षक डाकघर, आरपी शर्मा सहायक अधीक्षक डाकघर रीवा, विनोद कुमार सहायक अधीक्षक डाकघर सीधी, आशीष कुमार पाण्डेय, निरीक्षक डाकघर सीधी, वीरेन्द्र पाण्डेय निरीक्षक मऊगंज, शिवांश प्रजापति निरीक्षक डाकघर रीवा, कुशाग्र पाल, हेमन्त साहू निरीक्षक डाकघर बैढ़न, अंकिता यादव शिकायत निरीक्षक, समीर खान विकास अधिकारी रीवा संभाग सहित विभाग के कर्मचारी एवं शाखा डाकपाल उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन डा. एलजे गौतम पोस्टमास्टर प्रधान डाकघर रीवा ने किया।

आदर्श महाविद्यालय में नवप्रेशित छात्रों के लिए परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित

नगर संवाददाता ■ रीवा

शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा में सत्र 2026-27 में नव प्रवेशित छात्रों हेतु 06 जुलाई 2026 से 08 जुलाई 2026 तक दीक्षारम्भ के तहत तीन दिवसीय परिचयात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस 06 जुलाई को कार्यक्रम प्रारंभ किया गया सभी छात्रों का स्वागत तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा कर किया गया। उसके पश्चात छात्रों का पंजीयन कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पंकज कुमार श्रीवास्तव सेवानिवृत्त अतिरिक्त संचालक,डॉ. कमलाकर सिंह सेवानिवृत्त अपर सचिव एवं पूर्व कुलपति मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहे। डॉ. रवीन्द्र नाथ तिवारी प्राचार्य ने उदघाटन सत्र की अध्यक्षता की। प्राचार्य ने अपने उदवोधन से छात्रों को प्रोत्साहित किया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डीपीण शुक्ला ने छात्रों को अनुशासन का पालन एवं गतिविधियों मे भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। डॉ.केशर कली तिवारी ने भारतीय प्राचीन ग्रंथों में निहित ज्ञान की ओर छात्रों का ध्यान आकृष्ट किया। द्वितीय दिवस 7 जुलाई को विभिन्न गतिविधियॉ संचालित की गई जिसमें डॉ. विनिता रानी कश्यप,डा. जितेन्द्र त्रिपाठी एवं डॉ. बाल महेन्द्र प्रजापति ने एनईपी-2020 के अनुसार शैक्षणिक संरचना,पाठयक्रम और परीक्षा प्रणाली का परिचय छात्रों को कराया गया तृतीय दिवस 8 जुलाई को कार्यक्रम के आरंभ में डॉ.संजय तिवारी,डॉ. शिवनाथ शर्मा,डॉ. द्वारा छात्रों को संवेदीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम, संवैधानिक मौलिक कर्तव्यो, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 अधिकार के बारे में अवगत कराया गया। डॉ. ऋषि कुमार तिवारी,डॉ. नीरज चर्मकार. डॉ. शालनी कुन्देल,डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय,डॉ. आशीष पटेल,डॉ. नीलम पाण्डेय, डॉ.विनिता कश्यप,डॉ. हबीब खान के द्वारा छात्रों को रेडक्रास,स्वास्थ्य और कल्याण अभिविन्यास सुरक्षा और बचाव संबंधी जानकारी दी। संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था एवं संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. भारतेन्दु मिश्र के द्वारा किया गया।

भारतीय हिन्दू महासंघ के नगर अध्यक्ष बने प्रमोद

रीवा। भारतीय हिन्दू महासंघ जिला के जिलाध्यक्ष संजीव सोनी ने प्रदेशाध्यक्ष एल.एल.सोनी की सहमति से प्रमोद द्विवेदी को महासंघ का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रमोद द्विवेदी ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेशाध्यक्ष एल.एल.सोनी एवं जिलाध्यक्ष संजीव सोनी का आभार ज्ञापित किया। प्रमोद द्विवेदी के नगर अध्यक्ष बनाये जाने पर राहुल सोनी, राजन विश्वकर्मा, अतिशय जैन, अतुल त्रिपाठी, पिन्टू सोनी, चन्द्रशेखर साकेत, अवधेश कुशवाहा, अजय प्रधान, आकाश सोनी ने बधाई प्रेषित की है।

विद्यार्थी केवल डिग्रीधारी नहीं, राष्ट्र के भविष्य निर्माताः प्रो. रघुराज

■ **अभाविप के 78वें स्थापना दिवस पर अभाविप एक वैचारिक अधिष्ठान,पर संगोष्ठी आयोजित**

नगर संवाददाता ■ रीवा

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 78वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अभाविप रीवा नगर इकाई द्वारा छात्र समागम एवं अभाविपःएक वैचारिक अधिष्ठान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षाविद्, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। संगोष्ठी में परिषद की 78 वर्षों की राष्ट्रनिष्ठ यात्रा, विद्यार्थी शक्ति की भूमिका तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं के दायित्वों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. रघुराज किशोर तिवारी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र जीवन के पुनर्निर्माण का वैचारिक अभियान है। पिछले 78 वर्षों में परिषद ने लाखों युवाओं को राष्ट्रभक्ति, सेवा, संगठन और नेतृत्व के संस्कार देकर समाज जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनाया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल डिग्री प्राप्त करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है। जिस राष्ट्र की विद्यार्थी शक्ति जागृत, संस्कारित और उत्तरदायी होती है, वही राष्ट्र विश्व का नेतृत्व करता है। प्रो. तिवारी ने कहा कि अभाविप का मूल दर्शन ज्ञान-शील-एकता है। अभाविप के महाकोशल प्रांत अध्यक्ष सुनील पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज जब समाज अनेक वैचारिक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब अभाविप विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रवादी चिंतन का सशक्त आधार बनकर कार्य कर रही है। परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता केवल संगठन का प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का वाहक होता है। नगर अध्यक्ष डॉ दीपाली शुक्ला ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति यदि अपने चरित्र, ज्ञान और संगठन क्षमता का उपयोग राष्ट्रहित में करे तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। इस अवसर पर अभाविप के प्रांत एवं विभाग के पदाधिकारी, रीवा नगर इकाई के कार्यकर्ता, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्राध्यापक, शोधार्थी, छात्र-छात्राएँ तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

48 घंटे में मांगा जवाब,संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं मिलने पर विभागीय कार्रवाई के संकेत

गंगेव-मनगवां अस्पताल में मरीजों से अभद्रता और ड्यूटी में लापरवाही पर नर्सिंग ऑफिसर को नोटिस

नगर संवाददाता ■ मनगवां

गंगेव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉक्टर देवव्रत पाण्डेय ने नर्सिंग ऑफिसर सुश्री जया गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में मरीजों एवं हितग्राहियों के साथ अभद्र व्यवहार करने तथा निर्धारित समय पर ड्यूटी पर उपस्थित नहीं होने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतों की पुनरावृत्ति के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जवाब-तलब किया है। 9 जुलाई 2026 को जारी नोटिस में उल्लेख है कि विभाग को लगातार लिखित शिकायतें प्राप्त हो रही थीं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि संबंधित नर्सिंग ऑफिसर हितग्राहियों से असम्मानजनक व्यवहार करती हैं और नियमित रूप से समय पर ड्यूटी पर नहीं पहुंचतीं। इन शिकायतों के मद्देनजर बीएमओ ने दो दिनों के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया तो पूरे मामले की रिपोर्ट वरिष्ठ कार्यालय को भेजकर विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। ऐसी स्थिति में इसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारी की होगी। सूत्रों के अनुसार, संबंधित नर्सिंग ऑफिसर के कार्य व्यवहार को लेकर पूर्व में भी कई बार शिकायतें सामने आ चुकी हैं। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों के साथ व्यवहार को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ताजा नोटिस के बाद अस्पताल परिसर में पूरे मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

नोटिस के मुख्य बिंदु

मरीजों एवं हितग्राहियों से अभद्र व्यवहार,समय पर ड्यूटी पर उपस्थित न होना,शिकायतें लगातार मिलने के बाद जारी हुआ कारण बताओ नोटिस, 48 घंटे में जवाब देने के निर्देश। जवाब संतोषजनक नहीं होने पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण के विरोध में

महिला कांग्रेस ने सुंदरकांड पाठ व उपवास किया

■ **भाजपा सरकार को सद्बुद्धि एवं निष्पक्ष जांच की कामना, एफआईआर के लिए ज्ञापन सौंपा**

नगर संवाददाता ■ रीवा

बोदाबाग हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण के विरोध में सुंदरकांड पाठ एवं एक दिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश एवं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भाजपा के नेता भगवान श्रीराम के मंदिर के नाम पर जनता से वोट मांगकर सरकार बनाते हैं। एक ओर धर्म के नाम पर राजनीति की जाती है, वहीं दूसरी ओर प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावे की चोरी जैसी घटनाएं सामने आती हैं, उनका कहना था कि इस घटना से भाजपा की कथनी और करनी का अंतर स्पष्ट रूप से उजागर हुआ है। कांग्रेसजनों ने प्रभु श्रीराम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की घोर निंदा करते हुए कहा कि यदि इस मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराई जाए तो अरबों-खरबों रुपये के चंदे में हुई कथित अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को सद्बुद्धि प्राप्त हो तथा सत्य सामने आए, इसी भावना के साथ सुंदरकांड पाठ एवं एक दिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। सुंदरकांड एवं उपवास कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, पूर्व संसदीय सचिव राजेन्द्र मिश्रा, जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू, शहर महासचिव सज्जन पटेल, महिला कांग्रेस जिला (ग्रामीण) अध्यक्ष सीमा सिंह, महिला कांग्रेस (शहर) अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बोदाबाग के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह बघेल, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव लक्ष्मी सिंह परिहार, पार्षद उमेश वर्मा, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश पटेल, अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष मुस्तहाक खान, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव विजय लक्ष्मी तिवारी, सेवा दल से ममता तिवारी, शहर सचिव नीलम मिश्रा सहित कांग्रेस पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत कांग्रेसजनों ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में कथित रूप से संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किए जाने की मांग को लेकर थाना विश्वविद्यालय रीवा में ज्ञापन सौंपा।

संपादकीय

पूरा ट्रस्ट ही बदलना चाहिए

आखिरकार राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय बंसल और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर उन्हें ट्रस्ट से बाहर कर दिया गया। इस निर्णय में 'मजबूरी' झलकती रही, क्योंकि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने चंपत राय को 'महापुरुष' और 'संत-साधु' करार दिया। ट्रस्ट ने चंपत को 'आरोपित' ही नहीं किया। ट्रस्ट ने बैठक में यह जरूर स्वीकार किया कि राम मंदिर के प्रबंधन में कई खामियां थीं, लिहाजा चंदा-चढ़ावे की चोरी संभव हो सकी। कई अनियमितताएं और विसंगतियां थीं, लिहाजा 'चोर' ही दान का धन गिनते रहे और 70 बार चोरी करते रहे। यह विशेष जांच दल का शुरुआती निष्कर्ष बताया गया है। इस 'महापाप' से सभी आहत, दुखी और लज्जित हैं। चंपत राय और अनिल मिश्रा समेत समूचा ट्रस्ट परोक्ष रूप से दोषी है, लिहाजा ट्रस्ट को भंग करके नई व्यवस्था तय करनी चाहिए थी।

यह प्रतिबद्धता प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्रालय की थी, लेकिन जो अंतिम निष्कर्ष सामने आया है, उससे स्पष्ट है कि ट्रस्ट पर संघ परिवार का 'वर्चस्व' है, उसकी प्रशासनिक, धार्मिक इकाई ही बना रहेगा। वर्चस्व आरएसएस, विहिप और संघवादी संतों का ही रहेगा, लिहाजा संघ के बुनियादी प्रचारक रहे दो चेहरे बाहर करने पड़े, तो उनका विकल्प भी संघवादी कृष्ण मोहन को चुना गया। भारतीय वन सेवा अधिकारी रहे कृष्ण मोहन 2012 से ही आरएसएस में सक्रिय हैं और प्रचारक भी रहे हैं। अब उन्हें राम मंदिर का पवित्र दायित्व सौंपा गया है। अभी उन्हें 'अंतरिम महासचिव' कहा जा सकता है। ट्रस्ट ने यह विमर्श नहीं किया कि आखिर चंपत राय और अनिल मिश्रा को इतना निरंकुश और ताकतवर किसने और क्यों बनने दिया गया? उनकी मनमानियां कैसे चलती रहीं? करीब 114 करोड़ रुपए के भूमि-सौदे उन्हें ही क्यों करने दिए गए, जबकि इन जमीनों की कीमत 20-25 करोड़ रुपए आंकी जा रही है? क्या यह बड़ा घोटाला नहीं है?

ट्रस्ट 'सामूहिक जिम्मेदारी' का संगठन होता है, लिहाजा समूचा ट्रस्ट ही बदलना चाहिए था। जो साधु-संत किस्म के चेहरे ट्रस्ट में हैं, उन्हें प्रशासन, प्रबंधन, वित्तीय अंकुश और निगरानी का कोई अनुभव नहीं है, तो फिर करोड़ों रुपए के दान, चंदे, चढ़ावे का दायित्व उन्हें क्यों सौंपा गया? राम मंदिर आंदोलन के दौरान असंख्य लोगों ने योगदान दिया था, 'राम-राम' के उद्घोष किए थे, बलिदान भी दिए थे, उनमें से अधिकतर मंदिर की सीमा से बाहर ही हैं। वे भी आज पीड़ित, व्यथित होंगे! आंदोलन की सक्रियता ट्रस्ट में शामिल होने की गारंटी नहीं है। संविधान में तो यह प्रावधान नहीं है कि ट्रस्ट में सिर्फ संघ परिवार की ही सदस्यता होगी। 'हिंदू' तो गैर-संघी भी हो सकता है और प्रशासनिक अनुभव का धनी भी हो सकता है, लेकिन राम मंदिर पर संघ का ही 'अघोषित कब्जा' है। सवाल यह भी गंभीर है कि चंपत राय को ट्रस्ट से बाहर किया जा रहा था, तो बैठक में उनका अभिनंदन क्यों गाया गया? कोषाध्यक्ष गोविंद देव ने उन्हें 'निष्कलंक' और 'निरापराधी' माना है। उन्होंने कहा है कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान और उसके बाद चंपत राय की सेवाओं, कार्यों, तप-त्याग और भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता। चंपत राय से 'असावधानी' में भूल हो गई, लिहाजा उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। क्या गोविंद देव कोई 'न्यायाधीश' हैं, जो ऐसा फैसला सुनाया है? ऐसे पाक-साफ व्यक्ति का ट्रस्ट ने इस्तीफा क्यों मंजूर किया? ऐसे कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। देखते हैं कि नई व्यवस्था क्या फैसले लेती है?

जाति और धर्म के बिना राजनीति की कल्पना बेमानी

बिहार में बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

बिहार में जातिवादी राजनीति के गढ़ भोजपुर में सवर्ण युवक भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हत्या ने अप्रत्याशित सामाजिक बदलाव को उजागर किया है। दलित और पिछड़े समुदाय भी न्याय के लिए सड़कों पर उतर आए हैं, जो राज्य में पारंपरिक जातिगत दीवारों को तोड़ते हुए एक नए सामाजिक सद्भाव का संकेत है। यह जनाक्रोश बिहार की राजनीति और सामाजिक सोच के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है।

उमेश चतुर्वेदी

जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और धर्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था।

इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच-नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत-मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहना था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा। इतिहास

बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला विधानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन-जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है।

भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर-खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी-बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे। भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता-पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह-बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं।

भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है। हालांकि बिहार सरकार का रवैया पारंपरिक रहा। वह प्रशासन के ही बचाव में नजर आई। लेकिन जनाक्रोश देखते हुए उसे झुकना पड़ा। भरत की हत्या की जांच के लिए पटना हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अगुआई में जांच आयोग गठित किया गया है। इसी बीच आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिनमें डीएसपी और शाहपुर के थानेदार भी शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर सवर्ण के पक्ष में दलित और पिछड़ों के उतरने से जाति और धर्म के आधार पर चाल चलने वाली राजनीति को परेशानी जरूर महसूस हो रही होगी। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि समाज की सोई सकारात्मक आत्माएं ऐसे ही जागती हैं और बदलाव की बुनियाद बनती हैं। बस उसके लिए चिंगारी की जरूरत होती है। उम्मीद की जा सकती है कि भरत की हत्या के बाद उभरा जनाक्रोश प्राचीन भारतीय सामाजिक सोच को उभारने का प्रस्थान बिंदु बनेगा, जिसमें समायोजन होगा और मेलजोल भी।

-लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं।

मोदी का हिन्द प्रशांत मिशन

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत-इंडोनेशिया संबंध 2 हजार वर्षों से भी गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंधों पर आधारित हैं। दोनों देश महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी भी हैं, जिनकी समुद्री सीमाएं भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच लगभग 300 समुद्री मील की दूरी पर स्थित है। इंडोनेशिया की आजादी में भी भारत ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इंडोनेशिया पहले नीदरलैंड का उपनिवेश था लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने उस पर कब्जा कर लिया था। 1945 में जापान की हार के बाद इंडोनेशिया ने स्वयं को आजाद देश घोषित कर दिया था लेकिन नीदरलैंड और अन्य देश मानने को तैयार नहीं थे। जब इंडोनेशिया और डच सेना में भीषण लड़ाई शुरू हुई तो तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक जो शुरूआती जीवन में एक पालयट थे, को इंडोनेशिया के शीर्ष नेतृत्व को बचाकर भारत लाने की जिम्मेदारी सौंपी थी।

तब बीजू पटनायक भारतीय वायुसेना का डेकोटा विमान लेकर इंडोनेशिया पहुंच गए थे और वे ही इंडोनेशिया के नेता सुकर्णो और सुल्तान शहरयार को बचाकर दिल्ली ले आए थे। इंडोनेशिया को 1949 में आजादी मिली। दोनों देशों के संबंधों का इतिहास बहुत स्वर्णिम रहा है। पंडित जवाहर लाल नेहरू ने सुकर्णो के साथ मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इंडोनेशिया दौरे के दौरान दोनों देशों में 20 अहम समझौते हुए। इन समझौतों में सबसे महत्वपूर्ण डील इंडोनेशिया द्वारा भारत से ब्रह्मोस और अस्त्र मिसाइल खरीदने की रही लेकिन समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दोनों देशों का रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण साबांग बंदरगाह को मिलकर विकसित करने का फैसला अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिन्द प्रशांत पर अपने विजन के अनुरूप कूटनीतिक दांव खेल दिया है। भले ही यह फैसला सिर्फ एक आर्थिक डील दिखाई दे लेकिन वास्तव में यह हिन्द महासागर में भारत का बहुत बड़ा मास्टर स्ट्रोक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जकार्ता, ऑकलैंड और मेलबॉर्न यात्रा का उद्देश्य ही हिन्द प्रशांत समुद्री इलाके के नक्शे को फिर से बनाना है। इससे यहां रहने वाली ताकतों को स्वायत्तता वापिस मिलेगी और यह इलाके की कहानी को सबका साथ और सबका विकास पर केन्द्रित करेगा।

भारत सहयोग की एक नई ज्यॉमैट्री की कल्पना करता है जो चीन और अमेरिका द्वारा बनाए गए नियमों पर निर्भर न हो, बल्कि यहां रहने वाले देशों द्वारा खुद बनाई गई हो। साबांग बंदरगाह के जरिये भारत सीधे चीन की सबसे दुखती रग यानि मलक्का स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण बढ़ाएगा। सिर्फ यही नहीं इंडोनेशिया के पास ऐसे कई समुद्री चोक प्वायंट्स हैं जहां से दुनिया के कई बड़े देशों की इकोनॉमी को कंट्रोल किया जा सकता है। साबांग बंदरगाह भारत के पोर्ट ब्लेयर से महज कुछ सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इन दोनों के बीच बढ़ते गहरे तालमेल के बाद भारत हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों पर अपनी पकड़ को अभूतपूर्व रूप से मजबूत, कर लेगा। भारत और इंडोनेशिया की यह जुगलबंदी इन समुद्री रास्तों के मुहाने पर एक ऐसी मजबूत दीवार की तरह काम करेगी, जिसे लांघ पाना किसी भी दुश्मन नौसेना के लिए मुमकिन नहीं होगा।

इस डील का सबसे बड़ा एंडगेम ये है कि दोनों देश मिलकर पूरे 'इंडो-पैसिफिक' क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही का 'रीयल-टाइम डेटा' यानी पल-पल की खुफिया जानकारी आपस में साझा करेंगे। मलक्का जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे व्यस्त और रणनीतिक रूप से सबसे संवेदनशील समुद्री रास्ता है, जो हिन्द महासागर को दक्षिणी चीन से जोड़ता है। आंकड़ों की बात करें तो दुनिया के कुल समुद्री व्यापार का लगभग 25 से 30 प्रतिशत हिस्सा अकेले इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। हर साल इस रास्ते से 90,000 से अधिक मालवाहक और व्यापारिक जहाज गुजरते हैं। आर्थिक मूल्य के लिहाज से देखें तो हर साल खरबों डॉलर का सामान इसी रास्ते से दुनिया भर में सप्लाई होता है। ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से ये रास्ता और भी भयानक है। दुनिया भर में समुद्र के रास्ते होने वाले कुल कच्चे तेल के व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी रूट से जाता है। हर रोज इस संकरे रास्ते से लगभग 16 मिलियन बैरल कच्चा तेल गुजरता है। सबसे बड़ी बात ये है कि चीन अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत कच्चा तेल इसी मलक्का स्ट्रेट के जरिए मंगाता है। साबांग पोर्ट पर भारत की पहुंच होने के बाद, भारतीय नौसेना चीनी नौसेना के युद्धपोतों और उसके तेल टैंकरों जैसी हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर गिद्ध जैसी नजर रख सकती है। अगर कभी युद्ध या भारी तनाव की स्थिति बनी तो भारत के पास इस चोक प्वाइंट को पूरी तरह ब्लॉक करने की क्षमता होगी जिससे चीन तड़प उठेगा।

इंडोनेशिया द्वारा ब्रह्मोस और अस्त्र मिलाइल की खरीद भी चीन को परेशान करने वाली है। दोनों देशों के बीच क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इंडोनेशिया के क्रिटिकल मिनरल्स क्षेत्र में चीन का भारी निवेश और दबदबा है और इस पर डील चीन को एक तरह से कूटनीतिक जवाब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इंडोनेशिया की संसद में खड़े होकर चीन को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की नीतियां विस्तारवादी नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने इशारों ही इशारों में पाकिस्तान को भी निशाना बनाया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियातो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में बहुत मजबूती आई है। दोनों देशों का लक्ष्य तकनीकी, सांस्कृतिक और बहुपक्षीय कोशिशों के माध्यम से सहयोग बढ़ाना और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को मजबूत करना है।

सुख और दुख तो जीवन के स्वाद हैं

खलील जिब्रान

मनुष्य सुख को मित्र और दुख को शत्रु समझता है। वह चाहता है कि एक उसके साथ रहे और दूसरा हमेशा के लिए चला जाए। लेकिन, जीवन ने इन दोनों को कभी अलग नहीं किया। ये एक ही वृक्ष की दो शाखाएं हैं, जिनमें एक पर फूल खिलते हैं, तो दूसरी पर पत्ते झड़ते हैं। पर, रस दोनों एक ही जड़ से पाते हैं।

क्या आपने कुम्हार को बर्तन बनाते देखा है? वह मिट्टी को थपथपाता है, दबाता है, चाक पर भी घुमाता है और फिर आग में तपाता है। तब कहीं जाकर बर्तन बनता है। उसी तरह हृदय भी जीवन की अग्नि में तपता है, ताकि वह आनंद को धारण करने की क्षमता पा सके। यदि जीवन में कभी दुख नहीं आए, तो फिर हृदय इतना विशाल कैसे बनेगा कि उसमें आनंद का महासागर समा सके? हम अक्सर कहते हैं-'मैं केवल सुख चाहता हूं।' पर, क्या ऐसा संभव है? क्या कभी ऐसा हुआ है कि केवल दिन ही हो और रात न आए? केवल वसंत ही हो और पतझड़ न आए? यदि ऐसा हो, तो ऋतुएं अपना अर्थ खो देंगी। इसी तरह यदि जीवन में केवल आनंद ही होता, तो हम उसे पहचान भी नहीं पाते। आनंद कोई स्थायी महल नहीं है, जिसमें मनुष्य सदा के लिए बस जाए। वह तो सुबह की ओस की बूंद के समान है, जो सूरज की पहली किरण के साथ चमकती है और फिर विलीन हो जाती है। पर, उसका विलीन होना व्यर्थ नहीं है, वह धरती में उतर कर फिर किसी नए फूल का जीवन बन जाती है।

इसलिए, जब आनंद आपके पास आए, तो उसे कैद न करें। उसे खुला आकाश दें। वह जितनी स्वतंत्रता से आएगा, उतनी ही सुंदर स्मृति बनकर जाएगा। और, जब दुख आए, तो उसके लिए भी अपने दरवाजे बंद मत करिए। दुख एक मौन शिक्षक है। वह यह दिखाने आता है कि हमारा हृदय किन चीजों से बंधा है।

सुख और दुख दो अलग नहीं, बल्कि एक ही रास्ते के दो पड़ाव हैं। अगर आज आंखों में आंसू हैं, तो उन्हें छिपाने का प्रयास न करें। यही आंसू कल मुस्कान को गहराई देंगे। जो व्यक्ति कभी रोया नहीं, उसकी हंसी भी सतही होती है। पर, जिसने अपने भीतर दुख का समुद्र पार किया है, उसकी मुस्कान में करुणा, विनम्रता होती है और एक ऐसा प्रकाश होता है, जो दूसरों के अंधकार को भी थोड़ा कम कर देता है। इसलिए, किसी भी सुख को अंतिम और दुख को शाश्वत न समझें। जीवन आपको बार-बार खाली करेगा और फिर भर देगा। यह रिक्त होना और भरना ही उसका संगीत है। बांसुरी इसलिए मधुर बजती है, क्योंकि वह भीतर से खोखली होती है। यदि वह अपने भीतर सब कुछ भर लेती, तो संगीत जन्म न लेता। इसलिए हृदय को खुला रखें। जब आनंद आए, उसका स्वागत करें। जब दुख आए, तो उसे भी अतिथि की तरह स्थान दें। अंततः आप पाएंगे कि दोनों आपको एक ही सत्य की ओर ले जा रहे थे, उस सत्य की ओर, जहां मनुष्य बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि अपने भीतर के प्रकाश से जीना सीखता है। तभी आप वास्तव में जीवन का स्वाद चख पाएंगे।

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें, डूबती गाड़ियों को कोई किनारा नहीं मिलता

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए?

हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है?

क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है? यदि हर वर्ष यही स्थिति बननी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है?

क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल

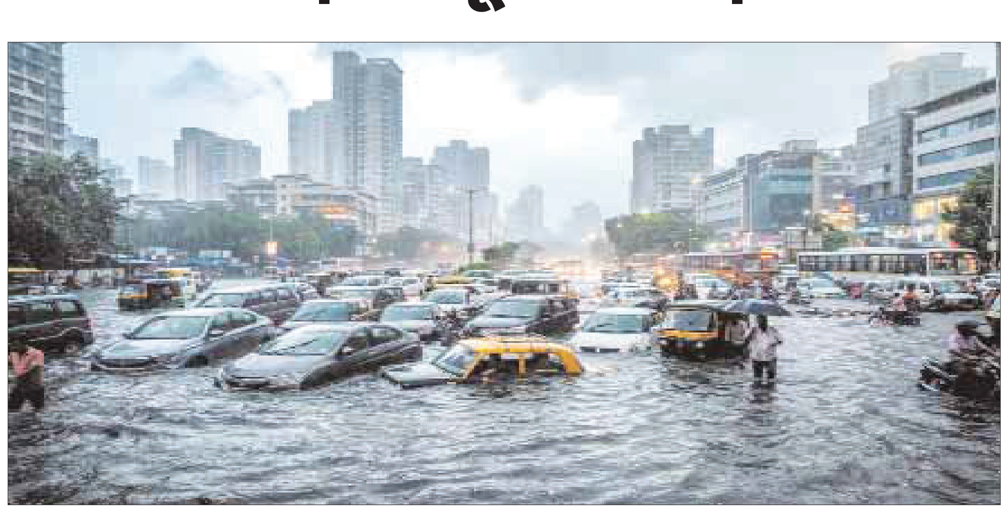

निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं?

क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है?

क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां?

क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला?

क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं?

क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है?

देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है? और यदि इन सवालों का उत्तर आज भी हमारे पास नहीं है, तो फिर क्या हमें पहले विकसित भारत का सपना देखना चाहिए, या पहले उसकी मजबूत बुनियाद तैयार करनी चाहिए?

कुलैथः ज्वर लीला के लिए एकांतवास में गए भगवान जगन्नाथ, 15 को देंगे दर्शन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

शहर से 20 किलोमीटर दूर ग्राम कुलैथ में गुरुवार को दोपहर 12 बजे भगवान जगन्नाथ ज्वर लीला के लिए एकांतवास में चले गए हैं। भगवान भक्तों को अब 15 जुलाई को दर्शन देंगे। एकांतवास में जाने से पहले मंदिर प्रबंधन द्वारा भगवान की विधि विधान से पूजा-अर्चना की गई और 11 घड़ों से भगवान का अभिषेक कराया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन और रामधुन की।

मंदिर के पुजारी किशोरीलाल श्रीवास्तव के पुत्र भानु श्रीवास्तव ने बताया कि भगवान को एकातंवास के दौरान दलिया और खिचड़ी दी जाएगी। साथ ही भगवान का जड़ी बूटियों से उपचार किया जाएगा। इस दौरान केवल मंदिर के पुजारियों का प्रवेश रहेगा। इसके बाद 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ को सुंदर वस्त्र पहनाकर भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी, जिसमें श्रद्धालु भगवान का रथ अपने हाथों से खीचेंगे। रथयात्रा पूरे गांव में भ्रमण करते हुए गांव से बाहर माता मंदिर पर शाम को पहुंचेगी। यहां भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा के साथ मौसी के घर पर विश्राम करेंगे। 17 जुलाई को रथ यात्रा वापस गांव में लौट आएगी। इसके बाद चावल से भरे घट भगवान को चढ़ाए जाएंगे। घट फूटते ही प्रसाद भक्तों के बीच बांटा जाएगा।

योगिनी एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व माना गया है। इस बार शुक्रवार 10 जुलाई को योगिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। ज्योतिषाचार्य एचसी जैन के अनुसार एकादशी तिथि 10 जुलाई, शुक्रवार को सुबह 8 :17 बजे प्रारंभ होगी और 11 जुलाई, शनिवार को सुबह 5 :23 बजे सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी। चूंकि यह तिथि किसी भी दिन के सूर्योदय को स्पर्श नहीं कर रही है, इसलिए इसे तिथि क्षय माना गया है। इसी कारण व्रत 10 जुलाई, शुक्रवार को ही रखा जाएगा।

डीपीए ने साधा स्वर्ण पदक पर निशाना

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

देहली पब्लिक अकादमी के छात्र सनी सिंह ने दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्राचार्य डॉ. मनोहर शर्मा ने सनी सिंह को इस शानदार प्रदर्शन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि सनी सिंह की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है और यह अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा स्त्रोत बनेगी।

सद्गुरु श्रीकांत नाथ ढोलीबुआ का 12वीं पुण्यतिथि महोत्सव

ढोलीबुआ मठ में गूंजे गुरु भक्ति के स्वर

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

खासगी बाजार स्थित ढोलीबुआ मठ में सद्गुरु श्रीकांत नाथ ढोलीबुआ की 12वीं पुण्यतिथि महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को संत गजानन भक्त मंडल द्वारा भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। भजन संध्या में 'तुज मा गतो मी आता, मज द्यावे एक दंता' तथा 'ओंकार स्वरूपा, सद्गुरु समर्था' सहित अनेक गुरु भक्ति से ओत-प्रोत भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिनका श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर आनंद लिया। कार्यक्रम में हारमोनियम पर चंद्रकांत पुरंदरे ने संगत की, जबकि तबले पर स्वयं सच्चिदानंद नाथ ढोलीबुआ ने साथ दिया। संचालन दिव्य खंडेलवाल ने किया। इस मौके पर संत गजानन भक्त मंडल के शांताराम कालगांवकर, वसंत कुंटे, मंगेश पोतनीस, मनीष लिमए, दीपक बापट, शरद भाकरे, अकोलकर डोंगरे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मठ के प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि शुक्रवार को महोत्सव के अंतर्गत संत, वेदमूर्ति एवं चिकित्सकों का सम्मान किया जाएगा।

आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है सती चरित्र

समाधिया कॉलोनी स्थित प्राचीन शिवधाम मंदिर में चल रही संगीतमय श्रीराम कथा के दूसरे दिन गुरुवार को कथा व्यास पं. योगेश देशपांडे ने सती चरित्र एवं भगवान शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी वर्णन किया। पं. देशपांडे ने कहा कि सती चरित्र श्रद्धा, सत्य, आत्मसम्मान और अटूट विश्वास की प्रेरणा देता है, जबकि भगवान शिव एवं माता पार्वती का दिव्य विवाह प्रेम, समर्पण, तपस्या और आदर्श गृहस्थ जीवन का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि इन प्रसंगों से समाज को संस्कार, मर्यादा और पारिवारिक मूल्यों को अपनाने की सीख मिलती है। कथा के दौरान संगीतमय भजनों के साथ भगवान शिव-पार्वती विवाह की आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई। भगवान शिव की भव्य बारात एवं माता पार्वती के विवाह का दिव्य दृश्य देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भजनों और झांकियों ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया।

भगवान नमिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया

जैन सोशल ग्रुप ग्वालियर द्वारा सिद्धाचल कोटेश्वर रोड स्थित जैन मंदिर में तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर भगवान के जयघोष, मंगलध्वनि एवं भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा। महोत्सव के अवसर पर भगवान सुपार्श्वनाथ का भव्य अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया गया, जिसका सौभाग्य जैन सोशल ग्रुप ग्वालियर के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। प्रवक्ता ललित जैन 'भारती' ने बताया कि भगवान नमिनाथ के जीवन से त्याग, करुणा, अहिंसा एवं आत्मकल्याण की प्रेरणा मिलती है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक जागृति, संस्कार एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने भगवान नमिनाथ के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए धर्म, संस्कार, सेवा, सद्भाव एवं मानव कल्याण की भावना को समाज में निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

12 घंटे में पुलिस ने ढूंढ निकाला 3 वर्षीय अपहृत बालक, शिवपुरी से आरोपी गिरफ्तार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

डबरा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े तीन वर्षीय मासूम का एक बदमाश ने अपहरण कर लिया था। जैसे ही पुलिस को मासूम के अपहरण का पता चला तो वह सक्रिय हो गई और बदमाश की सरगर्मी से तलाश में जुट गई। स्वयं एसएसपी धर्मवीर सिंह भी मौके पर पहुंच गए थे। मासूम को पुलिस ने 12 घंटे में तलाश करते हुए ढूंढ निकाला और अपहरणकर्ता के कब्जे से सकुशल बरामद कर लिया। पकड़े गए आरोपी ने नशे की हालत में बच्चे का अपहरण करने की बात स्वीकार की।

डबरा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम दफाई निवासी लक्ष्मी आदिवासी 8 जुलाई को घर में सो रही थी। तीन वर्षीय बेटा कार्तिक उर्फ टिंकू 3 वर्ष घर के बाहर खेल रहा था। जब वह सोकर उठी तो कार्तिक घर के बाहर नहीं था। आस पड़ोस वालों से पूछा तो पड़ोसी के लड़के ने बताया कि होतम उर्फ करिया अपनी मोटरसाइकिल पर मासूम को उठाकर ले गया है। दिनदहाड़े मासूम के अपहरण की सूचना पर पुलिस की टीमें उसकी तलाश में जुट गईं। एसएसपी धर्मवीर सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। साथ ही मौके पर उपस्थित अधिकारियों को ग्वालियर पुलिस की एक दर्जन टीमें बनाकर उक्त अपहृत मासूम बालक को शीघ्र सकुशल खोजकर आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अपहरणकर्ता होतम उर्फ करिया प्रजापति को ग्राम बिलौनी थाना नरवर शिवपुरी में देखा गया है। उक्त सूचना पर पुलिस की टीमों को मुखबिर के बताए स्थान पर भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा ग्राम बिलौनी में आदिवासी दफाई के पास जाकर देखा तो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर बालक को लेकर भागने लगा, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम होतम उर्फ करिया पुत्र मंशाराम प्रजापति 24 वर्ष निवासी गुप्ता पुरा डबरा हाल मुरारी प्रजापति का ईंट भट्टा मौजा चौथूपाड़ा थाना डबरा बताया। पकड़े गए आरोपी से बालक को अपहरण करने के संबंध में गहनता से पूछताछ करने पर उसने शराब के नशे में होने से बालक को खिलाने के लिये ले जाना बताया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को पास के खेत के पास से जब्त की गई। इसके बाद पुलिस ने बालक को परिजनों के सुपुर्द किया।

अवैध विज्ञापन कर रहे होर्डिंग व बैनर को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा अवैध विज्ञापनकर्ता होर्डिंग एवं बैनर को हटाया गया। नोडल अधिकारी केशव सिंह चौहान ने बताया कि आनन्द नगर डबल रोड ग्वालियर, आनन्द नगर चौराहा आदि स्थानों पर संबन्धित राजस्व कर संग्रहक विनय कुमार के द्वारा बताए गए स्थलों पर अवैध बैनर, होर्डिंग हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही मदाखलत अधिकारी सतेंद्र भदौरिया के निर्देशन में नौगजा रोड़, छप्परवाला पुल स्थित बिना अनुमति के संचालित बैनर, फ्लेक्स (होर्डिंग) को हटाया गया।

प्रशासन को जनोन्मुखी बनाने में हिंदी की भूमिका अहमः गौतम

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) क्षेत्रीय कार्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) ग्वालियर कार्यालय-2 की प्रथम छमाही बैठक आयोजित हुई। अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त सत्यवर्धन गौतम ने कहा कि राजभाषा हिंदी शासन-प्रशासन को जनोन्मुखी, पारदर्शी और प्रभावी बनाने का सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर राजभाषा सहायिका पत्रिका का विमोचन भी किया गया। बैठक में गृह मंत्रालय के उपनिदेशक (कार्यान्वयन) नरेन्द्र सिंह मेहरा ने कहा कि राजभाषा नीति का उद्देश्य हिंदी को कार्यालयीन कार्य-संस्कृति का स्वाभाविक हिस्सा बनाना है। उन्होंने प्रशिक्षण और नियमित समीक्षा पर जोर दिया। बैठक में पंकज खुराना, मिथिलेश पाण्डेय, सरदार सिंह, आरके सिंह, राजीव कुमार, रवीन्द्र यादव, जीके सक्सेना, विष्णुपाल सिंह यादव, अजय बैस, शिवाजी कदम और डॉ. सुभाष कटारे सहित 24 केंद्रीय कार्यालयों के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यालयों की प्रगति रिपोर्ट, ई-ऑफिस, ई-मेल, वेबसाइट और डिजिटल माध्यमों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग पर चर्चा हुई। साथ ही यूनिकोड हिंदी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हिंदी उपकरणों, प्रशिक्षण और मूल रूप से हिंदी में कार्य करने पर बल दिया गया। बैठक में ईपीएफओ की सेवाओं तथा प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की जानकारी भी दी गई।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना क्षेत्र में विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को जैसे ही फांसी का पता चला तो पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आत्महत्या के कारणों की जांच प्रारंभ कर दी है। मुरैना की रहने वाली शिवानी का कुंवरपुर महाराजपुरा निवासी शुभम राजावत के साथ 4 दिसम्बर 2022 को विवाह हुआ था। बीते कल शिवानी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शिवानी के फांसी लगाने का पता चलने पर मायके पक्ष को सूचना दी गई। विवाहिता के फांसी लगाने का पता चलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। शिवानी ने फांसी क्यों लगाई फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है। परिजनों ने शव फंदे से उतार लिया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों की विवेचना प्रारंभ कर दी है।

संयुक्त परिवार से समस्याओं से दूर रहने में मिलती है मदद

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा माधौगंज स्थित प्रभु उपहार भवन में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' के पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव थे। अध्यक्षता आदर्श दीदी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए गंभीर चुनौती है। युवाओं को अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार व्यक्ति को संस्कार, सहयोग और जीवन की कठिनाइयों से उबरने की शक्ति देता है। परिवार के वरिष्ठ सदस्य अनेक समस्याओं का सहज समाधान कर देते हैं, इसलिए सामाजिक और पारिवारिक एकता को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। इस मौके पर प्रहलाद भाई ने बताया कि संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पुण्यस्मृति में 6 से 20 अगस्त तक देशव्यापी '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान' चलाया जाएगा। अभियान के तहत देशभर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जंडेल सिंह गुर्जर, आशु श्रीवास, हीरालाल राठौर आदि उपस्थित रहे।

सामूहिक जनेऊ संस्कार 23 को

सकल ब्राह्मण महासमिति की बैठक गुरुवार को प्रधान कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में समाज में संस्कार, शिक्षा, सेवा, सम्मान, सामाजिक एकता, वैवाहिक रिश्ते तय कराने तथा परमार्थ कार्यों को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लिया गया। महासमिति के संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज ने बताया कि 23 जुलाई को श्री परशुरामेश्वर मंदिर में पहली बार सामूहिक जनेऊ संस्कार का आयोजन किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 3:30 से 4:30 बजे तक विवाह योग्य युवकों की जन्मपत्रिका मिलान एवं बायोडाटा संबंधी निशुल्क परामर्श भी दिया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक वैवाहिक रिश्ते तय हो सकें। वहीं सामूहिक जनेऊ संस्कार के लिए निःशुल्क पंजीयन 19 जुलाई तक ब्राह्मण रिश्ता केंद्र, यूको बैंक के समीप, दौलतगंज, लश्कर स्थित कार्यालय में कराया जा सकेगा।

नकली पिस्टल लहराकर दहशत फैलाने वाला पकड़ा

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र में एक युवक का सोशल मीडिया पर हाथ में पिस्टल लहराने का वीडियो वायरल हो रहा था। युवक को पिस्टल से धमकाने का जैसे ही पुलिस को पता चला तो उसने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उस समय माथा पकड़ लिया जब पिस्टल नकली निकली।

अमन उर्फ ठुल्ली रजक से किसी बात को लेकर छोटू शुक्ला, निवासी खच्चाराम की गली, लोहामंडी से विवाद हो गया था। इसी विवाद का बदला लेने के लिए छोटू ने अमन को डराने के उद्देश्य से उसके घर पहुंच गया और उसने पिस्टल निकालकर धमकी देने का प्रयास करने लगा। अमन ने अपने मोबाइल से छोटू की करतूत का वीडियो बना लिया और उसे वायरल कर दिया। जैसे ही पुलिस के संज्ञान में वीडियो आया पुलिस ने छोटू की पहचान करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जब उसके कब्जे से बरामद पिस्टल की जांच की तो पता चला कि जिस पिस्टल को वह असली समझ रहे थे दरअसल में वह लाइटर वाली नकली पिस्टल थी, जो देखने में बिल्कुल असली जैसी लग रही थी। पुलिस ने छोटू के खिलाफ 151 के तहत कार्रवाई की है।

कॉम्बिंग गश्त: 270 पुराने हिस्ट्रीशटर और गुंडों को किया चेक

222 बदमाशों को पहुंचाया हवालात

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने बीती रात कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। इस अभियान में फरार चल रहे 222 बदमाशों को पकड़कर हवालात पहुंचा दिया। वहीं, रातभर चली इस कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने जिले के 270 पुराने हिस्ट्रीशीटरों और सूचीबद्ध गुंडों के घरों पर औचक दबिश देकर उन्हें चेक किया।

इस बार कॉम्बिंग गश्त में खास बात यह रही कि शाम को ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह सहित पूरा अमला मैदान में उतरा और बदमाशों की सर्चिंग शुरू कर दी। पुलिस टीमों ने अलग-अलग इलाकों में घेराबंदी कर लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के ठिकानों पर दबिश देकर 222 को गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाशों में कई ऐसे शातिर अपराधी और स्थाई वारंटी भी शामिल हैं, जो काफी समय से पुलिस को चकमा दे रहे थे। रातभर चले इस सर्च ऑपरेशन में पुलिस ने केवल गिरफ्तारियां ही नहीं कीं, बल्कि क्षेत्र के सक्रिय और पुराने बदमाशों पर भी नजर रखी। पुलिस ने 270 हिस्ट्रीशीटरों और गुंडों के ठिकानों पर जाकर उनकी उपस्थिति की जांच की। साथ ही सख्त हिदायत दी गई कि यदि वे किसी भी प्रकार की संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए गए, तो उनके खिलाफ जिला बदर और रासुका जैसी कार्रवाई की जाएगी।

'जो बात तुझ में है तेरी तस्वीर में नहीं'

ग्वालियर। जीवन उमंग क्लब द्वारा शहर के एक होटल में 'जब हम मिले हुआ त्योहार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब सदस्यों ने खेल, संगीत और मनोरंजक गतिविधियों से यादगार शाम का आनंद लिया। कार्यक्रम में महिला सदस्यों के लिए अर्चना सक्सेना ने दो मनोरंजक गेम्स आयोजित किए, जिनमें संध्या शर्मा एवं वायके सक्सेना विजेता रहे। वहीं सांची गुप्ता द्वारा आयोजित कपल गेम में जगमोहन पाल एवं मीना पाल की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सदस्यों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार फिल्मी गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। अनुज सक्सेना ने 'जो बात तुझ में है तेरी तस्वीर में नहीं' और 'तुम्हारा चाहने वाला खुदा की दुनिया में' गीत सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। इसके बाद श्रीकुमार गुप्ता ने सुनाया 'हुस्न वाले तेरा जवाब नहीं' आशा गुप्ता ने सुनाया 'दीदी तेरा देवर दीवाना' अर्चना सक्सेना ने 'तेरा मेरा प्यार अमर फिर क्यों मुझको लगता है डर' प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। आभार सतीश सक्सेना ने व्यक्त किया।

मानवीय गुणों से एआई का रखें तालमेल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तेजी से कार्यस्थलों का स्वरूप बदल रही है। रिपोर्ट लिखने से लेकर कोड तैयार करने और डाटा विश्लेषण जैसे कई काम अब मशीनें कर रही हैं। ऐसे में सवाल यह है कि इंसानों की सबसे बड़ी ताकत क्या होगी? जवाब उन मानवीय क्षमताओं में छिपा है, जो एआई के लिए अभी भी चुनौती बनी हुई हैं। बदलते रोजगार बाजार में तकनीकी दक्षता के साथ कौन-से मानवीय गुण युवाओं को आगे रखेंगे और कैसे?

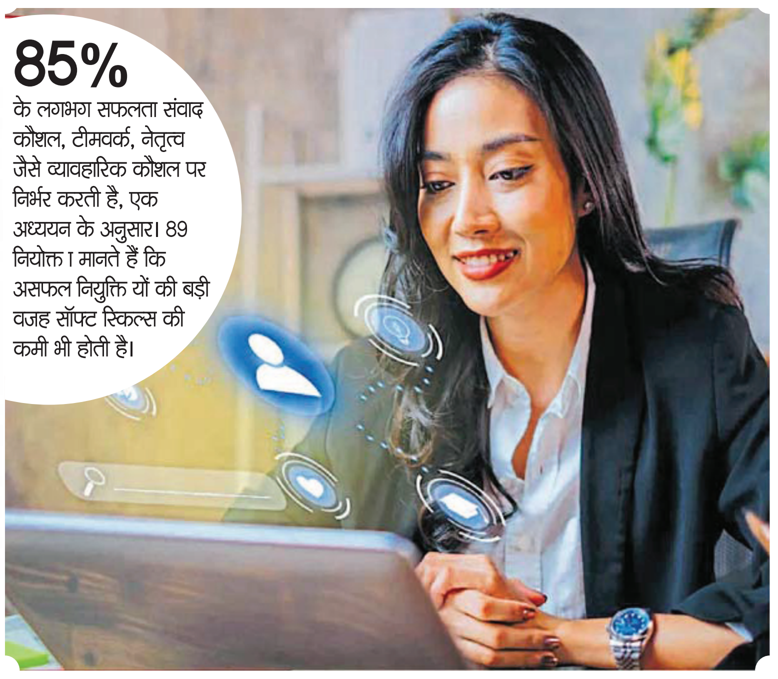

85% के लगभग सफलता संवाद कौशल, टीमवर्क, नेतृत्व जैसे व्यावहारिक कौशल पर निर्भर करती है, एक अध्ययन के अनुसार। 89 नियोक्त ा मानते हैं कि असफल नियुक्ति यों की बड़ी वजह सॉफ्ट स्किल्स की कमी भी होती है।

विश्व आर्थिक मंच की 'फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025' के अनुसार, वर्ष 2030 तक दुनिया में लगभग 17 करोड़ नई नौकरियां पैदा होंगी, जबकि करीब 9.2 करोड़ नौकरियां एआई से आए तकनीकी परिवर्तन के कारण समाप्त या बदल जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक नौकरी के लिए जरूरी कौशलों का लगभग 39 प्रतिशत हिस्सा बदल जाएगा।

ऐसे में केवल तकनीकी दक्षता पर्याप्त नहीं होगी। रचनात्मक सोच, नेतृत्व एवं सामाजिक प्रभाव, लचीलापन और लगातार सीखते रहने जैसी क्षमताओं का महत्व तेजी से बढ़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि लगभग 70 प्रतिशत नियोक्ता विश्लेषणात्मक सोच को सबसे अहम कौशल मानते हैं। यानी भविष्य में केवल जानकारी जुटाना नहीं, बल्कि उसे समझना, परखना और उसके आधार पर सही निर्णय लेना ही दूसरों से अलग बनाएगा।

अहम हुए मानवीय कौशल

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के एक अध्ययन में पाया गया कि केवल एआई पर निर्भर रहने से काम में गलतियों की संभावना बढ़ जाती है। वहीं, जिन कर्मचारियों ने एआई के साथ क्रिटिकल थिंकिंग, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मकता जैसे मानवीय कौशलों का भी इस्तेमाल किया, उनके काम की गुणवत्ता में करीब 40 फीसदी तक सुधार देखा गया।

माइक्रोसॉफ्ट लिंक्डइन (वर्क ट्रेंड इंडेक्स) की संयुक्त रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, आज कॉरपोरेट जगत में 'एआई एप्टीट्यूड' की मांग बढ़ रही है। इसमें एआई का ज्ञान और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की सॉफ्ट स्किल्स शामिल हैं। 71 फीसदी प्रबंधक ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता देते हैं, जो एआई के साथ सीखने, बदलाव अपनाने और बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं, भले ही उनका तकनीकी अनुभव अपेक्षाकृत कम हो।

5 आदतें जो एआई के दौर में आपको आगे

1. काम को शुरू करने से पहले यह सोचना कि इसका कौन सा हिस्सा एआई से तेजी से और बेहतर कराया जा सकता है।
2. एआई से मिले जवाबों, डेटा व तथ्यों की दोबारा जांच करना भी बेहद जरूरी है।
3. नए एआई टूल्स और फीचर्स को लगातार सीखते रहें और उन्हें आजमाते रहना भी जरूरी।
4. अपने सुझावों से एआईके समाधानों को तब तक बेहतर करें, जब तक इच्छित नतीजा न मिले।
5. गोपनीय और संवेदनशील डेटा इनपुट न करने की आदत बनाएं।

इंडस्ट्री के दिग्गज क्या मानते हैं

एनविडिया के सीईओ जेनसन हुआंग का कहना है कि छात्रों और पेशेवरों को यह चिंता नहीं करनी चाहिए कि कौन-सा विषय या करियर एआई से सुरक्षित रहेगा, बल्कि उन्हें यह सीखना चाहिए कि एआई उनके सीखने, काम व कौशल को कैसे बेहतर बना सकती है। रचनात्मक सोच, प्रभावी संवाद जैसी मानवीय क्षमताएं भविष्य में भी अहम रहेंगी। भविष्य उनका होगा, जो एआई का प्रभावी उपयोग करना सीखेंगे।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला का मानना है कि एआई के दौर में केवल आईक्यू या तकनीकी दक्षता सफलता की गारंटी नहीं है। उनके अनुसार, सहानुभूति और भावनात्मक बुद्धिमत्ता ऐसे मानवीय गुण हैं, जो लोगों को बेहतर नेतृत्व, प्रभावी संवाद और मजबूत टीमवर्क में सक्षम बनाते हैं। इसलिए भविष्य में सबसे आगे वही पेशेवर रहेंगे, जो तकनीकी कौशल के साथ इन क्षमताओं को भी विकसित करेंगे।

बेहतर नतीजों के लिए निखारें ये मानवीय कौशल

एआई के कारण पेशेवर कामकाज में जरूरी कौशल तेजी से बदल रहे हैं। तकनीक तो अब सभी के पास है, ऐसे में सफलता उन्हीं को मिलेगी, जो मानवीय कौशल का बेहतर उपयोग करेंगे।

1. **बदलते परिवेश में मानवीय कौशल:** तकनीक तो अब सभी के पास है, ऐसे में सफलता उन्हीं को मिलेगी, जो मानवीय कौशल का बेहतर उपयोग करेंगे।
2. **भावनात्मक बुद्धिमत्ता:** लोगों की ज़रूरतों और भावनाओं को समझना अभी भी इंसानों की ख़ासियत है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नहीं। इसलिए नेतृत्व, टीमवर्क और दूसरों को प्रेरित करने जैसे गुणों का महत्व और भी बढ़ेगा।
3. **सीखते रहना:** तकनीक तेज़ी से बदल रही है, इसलिए किसी एक डिग्री या कौशल के भरोसे न रहें। खुद को लगातार अपडेट करें और नई जानकारियां व क्षमताएं विकसित करते रहें।
4. **गंभीर सोच (तार्किक चिंतन):** तथ्यों का परीक्षण कर सही और गलत जानकारी में अंतर करना तथा तार्किक निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाएं।

बदलाव अपनाएं: नई तकनीकों, कार्यशैली और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को तेज़ी से ढालें। विनिर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में यह क्षमता बेहद ज़रूरी है।

डिजिटल साक्षरता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य डिजिटल उपकरणों का सुरक्षित, जिम्मेदारी के साथ और प्रभावी उपयोग करना सीखें। आज सभी डिजिटल तकनीक का उपयोग कर रहे हैं।

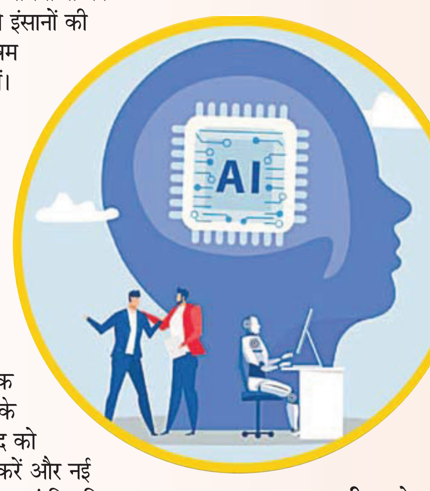

प्रमुख मानवीय कौशल और उनके महत्व

रचनात्मकता: नए विचार विकसित करें, क्योंकि मौलिक सोच ही भविष्य में सबसे अधिक मूल्यवान होगी। विज्ञापन, डिज़ाइन, कंटेंट क्रिएशन और उद्यमिता में यही सबसे बड़ी पूंजी है।

उद्यमशील सोच: नए अवसरों की पहचान करें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से कम लागत में नए विचारों को कारोबार में बदलना पहले से कहीं आसान हो गया है।

संवाद कौशल: कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बावजूद स्पष्ट संवाद, बेहतर टीमवर्क और नेतृत्व की क्षमता हर पेशे में अहम है। खासकर लोगों से जुड़े कामों में, जैसे परियोजना प्रबंधक, वकील।

आत्म-प्रेरणा: पहल करने, नई चीज़ें अपनाने और चुनौतियों के बावजूद अपने लक्ष्य पर डटे रहने की क्षमता विकसित करें। बदलते कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए यह गुण अहम है।

यूपीएससी आपकी सोच को परखेगा

मैं बीएससी कर रही हूं। यूपीएससी की तैयारी कर आईएएस बनना चाहती हूं, लेकिन मेरी आवाज स्पष्ट नहीं है और मैं रुक-रुक कर बोलती हूं। इस वजह से स्पीच थेरेपी भी ले रही हूं। ऐसे में मुझे यूपीएससी इंटरव्यू में कोई परेशानी तो नहीं आएगी? कृपया मेरा मार्गदर्शन करें।

जवाब: बोलने में कठिनाई होने पर निराश होने या आईएएस बनने का सपना छोड़ने की ज़रूरत नहीं है। यूपीएससी का पर्सनैलिटी टेस्ट भाषण देने या संवाद कला की प्रतियोगिता नहीं है। यह परीक्षा यह परखती है कि उम्मीदवार में सार्वजनिक सेवा के लिए जरूरी गुण हैं या नहीं। इसमें उसकी समझ, ईमानदारी, सही फैसले लेने की क्षमता, तार्किक सोच, स्पष्ट विचार, सामान्य जागरूकता और दबाव में शांत रहकर संतुलित निर्णय लेने की योग्यता का आकलन किया जाता है।

स्पीच थैरेपी शुरू करना आपका सही फैसला है। नियमित अभ्यास से अधिकांश लोगों के बोलने में काफी सुधार आता है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यूपीएससी के पर्सनैलिटी टेस्ट (इंटरव्यू) में बोर्ड उम्मीदवार को अपनी बात रखने के लिए पूरा समय देता है। इस बात पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है कि आप क्या कहते हैं, न कि कितनी तेजी या कितनी अच्छी तरह बोलते हैं।

स्पीच थेरेपी के साथ रोज कम-से-कम 5 मिनट अखबार जोर से पढ़ें, ग्रुप डिस्कशन में हिस्सा लें, अपनी आवाज रिकॉर्ड करके सुनें और मॉक इंटरव्यू का अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे झिझक कम होगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा और अपनी बात बेहतर ढंग से रख पाएंगे। फिलहाल अपना पूरा ध्यान बी.एससी. की पढ़ाई पर रखें। साथ ही, यूपीएससी की तैयारी के लिए करंट अफेयर्स, सामान्य अध्ययन और उत्तर लेखन का अभ्यास करते रहें। याद रखें, इंटरव्यू में आपकी आवाज से ज्यादा आपका ज्ञान, ईमानदारी और आत्मविश्वास मायने रखता है।

संस्कृत से ग्रेजुएशन करने के बाद किन क्षेत्रों में करियर बनाया जा सकता है?

जवाब: संस्कृत में स्नातक (ग्रेजुएशन) करने के बाद बी.एड. तथा सीटीईटी या राज्य टीईटी जैसी परीक्षाएं पास करके स्कूल शिक्षक बना जा सकता है। वहीं, एम.ए., एम.फिल. या पीएचडी करने पर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्यापन तथा शोध के अवसर मिलते हैं। पुरातत्व, शिलालेख अध्ययन, संग्रहालय और भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े शोध कार्यों में भी अच्छे अवसर उपलब्ध हैं।

लैंग्वेज टेक्नोलॉजी, एआई, डिजिटल ह्यूमैनिटीज और कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भी संस्कृत विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है।

LIFESTYLE

त्वचा, मेकअप, बाल और आपात जरूरतों की छोटी-छोटी चीजें रखें साथ, पूरे दिन बना रहेगा ताजगी भरा लुक

हर दुल्हन के पास होनी चाहिए यह ब्यूटी किट, शादी के दिन रहेंगी बेफिक्र

शादी का दिन हर दुल्हन के लिए बेहद खास होता है। लगातार होने वाली रस्में, लंबे समय तक मेकअप, भावनात्मक पल और थकान का असर चेहरे, बालों और मेकअप पर साफ दिखाई दे सकता है। ऐसे में पहले से तैयार की गई एक ब्यूटी किट आखिरी समय की परेशानियों से बचाने में मदद करती है। सही तैयारी से दुल्हन पूरे दिन आत्मविश्वास के साथ अपना खास दिन यादगार बना सकती है।

त्वचा की देखभाल के लिए रखें ये जरूरी चीजें

ब्यूटी किट में सबसे पहले त्वचा की देखभाल से जुड़े उत्पाद शामिल करें। आंखों की सूजन और थकान कम करने के लिए आई पैच या आई क्रीम उपयोगी रहती है। चेहरे को तुरंत ताजगी देने के लिए हाइड्रेटिंग फेस मिस्ट और हल्का जेल आधारित मॉइस्चराइजर रखें। होंठों को मुलायम बनाए रखने के लिए लिप बाम साथ रखें, क्योंकि लंबे समय तक मैट लिपस्टिक लगाने से होंठ सूख सकते हैं।

शादी से पहले या मेकअप से कुछ समय पहले शीट मास्क का इस्तेमाल त्वचा में नमी और चमक बनाए रखने में मदद करता है। अपनी त्वचा के अनुसार विटामिन-सी, हायलूरोनिक एसिड, ग्रीन टी या खीरे वाला शीट मास्क चुना जा सकता है। हल्दी की रस्म के बाद चेहरे का पीलापन दूर करने के लिए दही और बेसन का लेप भी उपयोगी माना जाता है।

मेकअप टचअप के लिए रखें ये सामान

लंबे समय तक मेकअप बनाए रखने के लिए ब्लॉटिंग पेपर, ट्रांसलूसेंट पाउडर, मेकअप फिक्सिंग स्प्रे, ब्लश, लिपस्टिक और त्वचा के रंग से मेल खाने वाला कंसीलर किट में रखें। क्यू-टिप्स की मदद से फैला हुआ काजल या लिपस्टिक आसानी से ठीक किया जा सकता है। ये सभी चीजें फोटोशूट और विदाई से पहले त्वरित टचअप में मदद करती हैं।

ब्राइडल ब्यूटी किट में क्या-क्या रखें?

- आई पैच, फेस मिस्ट, मॉइस्चराइजर और लिप बाम
- शीट मास्क और दही-बेसन का पैक
- ब्लॉटिंग पेपर, पाउडर, ब्लश, लिपस्टिक, कंसीलर
- बॉबी पिन, हेयर स्प्रे, कंघा और हेयर नेट
- सेफ्टी पिन, सुई-धागा, बॉडी टेप, नेल ग्लू, दर्द निवारक दवा, चॉकलेट और ऊर्जा बढ़ाने वाला पेय

बालों और आभूषणों के लिए

हेयर स्टाइल बिगड़ने की स्थिति से बचने के लिए बॉबी पिन, जूड़ा पिन, रबर बैंड, छोटा कंघा, हेयर नेट और हेयर स्प्रे जरूर रखें। दुपट्टा बदलते समय या कपड़े बदलने के दौरान ये सामान काफी काम आता है। आपात स्थिति की किट- ब्यूटी किट में सेफ्टी पिन, सुई-धागा, नेल ग्लू, आईलैश ग्लू, कॉटन, छोटी कैंची, बॉडी टेप, मांगटीका लगाने के लिए डबल साइड टेप और जरूरत पड़ने पर दर्द निवारक दवा भी रखें। इसके अलावा छोटा हाथ वाला पंखा, चॉकलेट, सूखे मेवे, ऊर्जा बढ़ाने वाला पेय और पानी की बोतल साथ रखने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है।

बारिश के मौसम में मेकअप बार-बार हो जाता है खराब

उमस और पसीने के बीच भी लंबे समय तक टिका रहेगा मेकअप, सही स्किन केयर और हल्के उत्पादों का करें इस्तेमाल

बारिश के मौसम में उमस और पसीने के कारण मेकअप लंबे समय तक टिकाना आसान नहीं होता। त्वचा पर अतिरिक्त तेल, नमी और पसीने की वजह से फाउंडेशन पैची दिखने लगता है, मेकअप बह जाता है और चेहरा चिपचिपा नजर आने लगता है। हालांकि सही स्किन केयर और कुछ आसान मेकअप टिप्स अपनाकर आप मॉनसून में भी लंबे समय तक ताजगी भरा लुक बनाए रख सकती हैं।

मानसून में हवा में नमी अधिक होने से त्वचा ज्यादा तेल बनाने लगती है। अतिरिक्त तेल और पसीना मेकअप की पकड़ कमजोर कर देते हैं, जिससे फाउंडेशन हटने लगता है। खासकर नाक, माथे और ठुड्डी पर मेकअप जल्दी खराब होता है। आंखों और होंठों के आसपास महीन रेखाओं में भी मेकअप जमा होने लगता है।

मेकअप से पहले स्किन केयर है सबसे जरूरी- स्वेट प्रूफ मेकअप की शुरुआत अच्छी स्किन केयर से होती है। सबसे पहले हल्के फेसवॉश से चेहरा साफ करें और त्वचा के अनुसार हल्का मॉइस्चराइजर लगाएं। स्किन केयर उत्पाद पूरी तरह त्वचा में समा जाने के बाद ही मेकअप शुरू करें। इससे मेकअप ज्यादा देर तक टिकता है।

सही प्राइमर व फाउंडेशन चुनें

मॉनसून में सिलिकॉन आधारित प्राइमर अच्छा विकल्प माना जाता है क्योंकि यह त्वचा और मेकअप के बीच सुरक्षा परत बनाता है। तैलीय त्वचा के लिए मैट फिनिश प्राइमर, शुष्क त्वचा के लिए हाइड्रेटिंग प्राइमर और मिश्रित त्वचा के लिए दोनों का संतुलित उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन हमेशा हल्का और लिक्विड चुनें। तैलीय त्वचा वाले मैट फिनिश फाउंडेशन और शुष्क त्वचा वाले हाइड्रेटिंग फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। मेकअप की मोटी परत लगाने से बचें और जरूरत के अनुसार ही कंसीलर लगाएं।

इन उत्पादों से बनाएं दूरी

बारिश के मौसम में क्रीम बेस्ड फाउंडेशन, भारी मॉइस्चराइजर, क्रीम ब्लश, मोटी पाउडर लेयर, ग्लिटर आई मेकअप और ग्लॉसी लिपस्टिक लगाने से बचें। ये उत्पाद उमस में जल्दी खराब हो सकते हैं।

पसीना आए तो क्या करें?

चेहरे को रगड़ने की बजाय ब्लॉटिंग पेपर या सूखे टिश्यू से हल्के हाथों से पसीना सोखें। जरूरत पड़ने पर ऊपर से थोड़ा ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं। यदि किसी जगह से मेकअप हट जाए तो फाउंडेशन लगाने की बजाय केवल लिक्विड कंसीलर से उसे ठीक करें। अंत में सेटिंग स्प्रे का हल्का इस्तेमाल मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखने में मदद करता है।

स्वेट प्रूफ मेकअप के 5 आसान टिप्स

- हल्के फेसवॉश और मॉइस्चराइजर से त्वचा तैयार करें।
- त्वचा के अनुसार सही प्राइमर और लिक्विड फाउंडेशन चुनें।

- मेकअप की मोटी परत लगाने से बचें।
- पसीना आने पर ब्लॉटिंग पेपर का इस्तेमाल करें।
- मेकअप पूरा होने के बाद सेटिंग स्प्रे जरूर लगाएं।

उबटन, आयुर्वेदिक उबटन देंगे ऐसा ग्लो कि फेशियल भी पड़ जाएगा फीका

खूबसूरती बढ़ाने के लिए उबटन लगाने की परंपरा सदियों पुरानी है। यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि त्वचा की देखभाल का प्राकृतिक तरीका भी माना जाता है।

उबटन क्यों है खास? आयुर्वेद में उबटन को त्वचा के तीनों दोष–वात, पित्त और कफ–को संतुलित करने वाला माना गया है। यह त्वचा की गहराई से सफाई कर रोमछिद्रों में जमा गंदगी हटाता है। नियमित उपयोग से त्वचा का रंग निखरता है, टैनिंग कम होती है और त्वचा का प्राकृतिक ग्लो बढ़ता है।

शादी से पहले लगातार कार्यक्रम, मेकअप, तनाव और कम नींद का असर सबसे पहले त्वचा पर दिखाई देता है। उबटन त्वचा को पोषण देने के साथ उसे शांत करता है। हल्की मालिश से रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे चेहरा अधिक ताजा और दमकता नजर आता है।

घर पर बनाएं 5 आयुर्वेदिक उबटन

1. हल्दी-चंदन उबटन- बेसन, हल्दी, चंदन, केसर और कच्चे दूध से तैयार यह उबटन त्वचा की सफाई कर प्राकृतिक निखार देता है।

2. कुमकुम उबटन- लाल मसूर दाल, गुलाब पाउडर, हल्दी और बादाम तेल से बना यह उबटन पिग्मेंटेशन और असमान रंगत कम करने में मदद करता है।

3. ब्राइडल ग्लो उबटन- मिल्क पाउडर, बादाम का बुरादा, शहद और नारियल तेल से तैयार यह उबटन रूखी त्वचा को नमी देकर मुलायम बनाता है।

4. एंटी-टैन उबटन- चावल का आटा, हल्दी, पपीता पाउडर, नींबू के छिलके का पाउडर और दही मिलाकर तैयार उबटन धूप से हुई टैनिंग कम करने में सहायक माना जाता है।

5. प्री-वेडिंग ग्लो उबटन

ओट्स, मुल्तानी मिट्टी, गुलाब पाउडर, जायफल और एलोवेरा जेल से बना यह उबटन त्वचा को ठंडक देकर इंस्टेंट ग्लो देता है।

फीफा वर्ल्ड कप-2026

फ्रांस के मुकाबले में अर्जेंटीना को फायदा देने की कोशिश

नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के नॉकआउट चरण के रोमांच के बीच एक बड़ा फैसला सामने आया है। फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच होने वाले हाई-प्रोफाइल क्वार्टर फाइनल मुकाबले के लिए मैच अधिकारियों के नामों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस बेहद अहम और कड़े मुकाबले की कमान पूरी तरह से अर्जेंटीना के अंपायरों के हाथों में सौंप दी गई है जिसका नेतृत्व मुख्य रेफरी फकुंडो टेलो करेंगे।

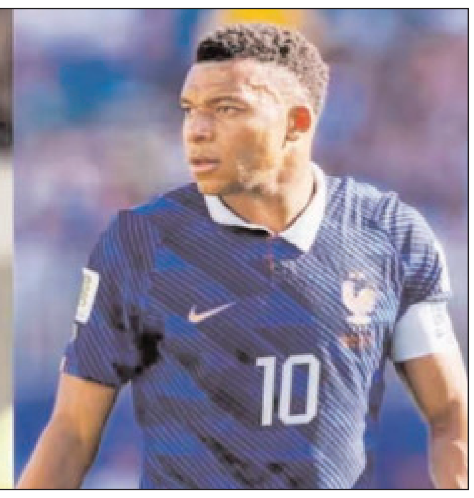

फीफा वर्ल्ड कप के बीच बड़ा फैसला

यह नियुक्ति इस मायने में बेहद खास है क्योंकि मौजूदा वर्ल्ड कप संस्करण में यह पहला मौका है जब किसी मैच के संचालन की जिम्मेदारी विशेष रूप से किसी एक ही देश के अधिकारियों को दी गई है। फीफा का यह फैसला टूर्नामेंट के अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण चरणों के लिए बेहद अनुभवी अधिकारियों को चुनने की उसकी पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाता है। टेलो के पास वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैचों का पुराना और बेहतरीन अनुभव है जो इस कड़े मुकाबले में काफी काम आने वाला है।

मोरक्को की टीम को होगा फायदा?

दिलचस्प बात यह है कि मोरक्को की टीम के साथ अर्जेंटीना के मुख्य रेफरी फकुंडो टेलो का इतिहास पुराना है। टेलो ने इससे पहले कतर में आयोजित पिछले वर्ल्ड कप में भी मोरक्को के उस ऐतिहासिक क्वार्टर फाइनल मैच की कमान संभाली थी जिसमें उन्होंने पुर्तगाल को शिकस्त दी थी। इस लिहाज से मोरक्को के शामिल होने वाले लगातार दूसरे अंतिम-आठ (क्वार्टर फाइनल) मैच में टेलो मुख्य रेफरी की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

अर्जेंटीना के सभी साथी रहेंगे मौजूद

मैदान पर टेलो को अकेले फैसले नहीं लेने होंगे बल्कि उनकी मदद के लिए अर्जेंटीना की ही एक मजबूत टीम तैनात रहेगी। जुआन पाब्लो बेलाटी और गेब्रियल चाडे सहायक रेफरी की भूमिका में दिखेंगे। वहीं, डारियो हेरेरा चौथे अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं देंगे और क्रिस्टियन नावारो को रिजर्व सहायक रेफरी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मोरक्को बनाम फ्रांस क्वार्टर फाइनल मैच के अधिकारियों की पूरी सूची:

मुख्य रेफरी : फकुंडो टेलो
सहायक रेफरी 1: जुआन पाब्लो बेलाटी
सहायक रेफरी 2: गेब्रियल चाडे
चौथे अधिकारी: डारियो हेरेरा
रिजर्व सहायक रेफरी: क्रिस्टियन नावारो

मेसी के साथ हमदर्दी और इजिप्ट के साथ अन्याय? पेनल्टी अपीलों पर उठे नए सवाल

नई दिल्ली

सवाल यह नहीं कि इजिप्ट के गोल को रद्द कर दिया गया, सवाल यह है कि इजिप्ट की ओर से की गई पेनल्टी अपीलों पर उसी स्तर की जांच क्यों नहीं हुई जितनी अर्जेंटीना की अपील पर हुई। जिस मुकाबले में अर्जेंटीना ने 0-2 से पिछड़ने के बाद 3-2 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, उस मुकाबले को इतिहास अर्जेंटीना की जीत से ज्यादा कुछ विवादित फैसलों के लिए याद रखेगा।

सबसे बड़ा विवाद

इजिप्ट 2-0 की बढ़त के साथ विश्व कप के सबसे बड़े उलटफेर की कहानी लिखने के करीब था, लेकिन यहीं से मैच का सबसे विवादित अध्याय शुरू हुआ। जिको ने खेल के 59वें मिनट में गोल दागा, लेकिन VAR ने लगभग 21 सेकंड पहले और अर्जेंटीना के गोलपोस्ट से करीब 100 गज दूर हुए मारवान अत्तिया और लिसांड्रो मार्टिनेज के बीच संपर्क को फाउल मानते हुए जिको का गोल रद्द कर दिया। नियम इसकी अनुमति देते हैं, लेकिन सवाल फैसले से ज्यादा उसके इस्तेमाल पर है। क्या हर मैच में इतने पीछे जाकर हर अटैकिंग मूव की जांच होती है? शायद नहीं।

एक्स्ट्रा टाइम में एंजो फर्नांडिज ने विजयी गोल दागा, लेकिन इससे पहले इजिप्ट ने पेनल्टी की जोरदार अपील की। उनका आरोप था कि बॉक्स में हमदी फाथी की जर्सी खींची गई और इससे पहले मोहम्मद सालाह को भी फाउल कर रोका गया। इजिप्ट को उम्मीद थी कि VAR उसी गंभीरता से इस घटना की जांच करेगा, जैसी उसने उनके रद्द किए गए गोल के समय की थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। यही वह क्षण था, जिसने इजिप्ट के खिलाड़ियों, कोच और करोड़ों प्रशंसकों को यह महसूस कराया कि दोनों टीमों के लिए अलग-अलग पैमाने अपनाए गए।

मेसी के साथ हमदर्दी?

सुपरस्टार खिलाड़ियों और बड़ी टीमों को कथित तौर पर विशेष संरक्षण मिलने के आरोप पहले भी लगते रहे हैं और इसके कुछ संकेत इस टूर्नामेंट में भी नजर आए। कुछ मैच पीछे जाएं तो सवाल उठता है कि क्या अल्जीरिया के खिलाफ मैच में आइसा मांडी पर मेसी द्वारा किए गए खतरनाक टैकल की दोबारा समीक्षा हुई थी? इजिप्ट के खिलाफ भी मैदान पर अर्जेंटीना की ओर से कई ऐसे टैकल और फाउल नजर आए जिन्हें पहले सीधा फाउल माना जाता था, लेकिन खेल जारी रहने दिया गया।

जब एक जैसी घटनाओं पर अलग-अलग निर्णय लिए जाते हैं, तब विवाद होते हैं और रेफरी की विश्वसनीयता भी सवालों के घेरे में आ जाती है।

चार टीमें पहली बार विश्व चैंपियन बनने की दौड़ में

क्वार्टर फाइनल में पहुंची आठ टीमों में से चार पहले ही विश्व कप जीत चुकी हैं। इनमें शामिल हैं-

टीम	विश्व कप खिताब	किस साल चैंपियन बनी
अर्जेंटीना	3	1978, 1986, 2022
फ्रांस	2	1998, 2018
इंग्लैंड	1	1966
स्पेन	1	2010

वहीं चार टीमें अब भी अपने पहले विश्व कप खिताब का इंतजार कर रही हैं। इनमें शामिल हैं- बेल्जियम,मोरक्को,स्विट्जरलैंड,नॉर्वे। बेल्जियम और मोरक्को कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके हैं। स्विट्जरलैंड आखिरी बार 1954 में अपने घरेलू विश्व कप में क्वार्टर फाइनल खेला था। वहीं नॉर्वे पहली बार इस दौर में पहुंचा है।

क्रिकेट जगत ने आईसीसी हॉल ऑफ़ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली को बधाई दी

नयी दिल्ली

भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को बुधवार को आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल किया गया। सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और हरभजन सिंह जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने बंगाल के इस मशहूर बाएं हाथ के बल्लेबाज़ को बधाई दी, जिन्हें 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट को बदलने का श्रेय दिया जाता है। एडिनबर्ग में आईसीसी के सालाना सम्मेलन के दौरान हुई घोषणा के बाद, गांगुली हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल होने वाले 12वें भारतीय क्रिकेटर बन गए। यह सम्मान उन्हें उनके 54वें जन्मदिन पर मिला, जिससे यह मौका और भी खास हो गया। भारत के पूर्व ऑफ़-स्पिनर हरभजन सिंह ने सबसे पहले अपने पूर्व कप्तान को बधाई दी। हरभजन ने सोशल मीडिया पर लिखा, बधाई हो, कप्तान। यह घोषणा सुनकर खुशी हुई। युवराज, जिन्होंने गांगुली की कप्तानी में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था और 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय टीम का हिस्सा थे, उन्होंने पूर्व कप्तान की लीडरशिप और क्रिकेटरों की एक पूरी पीढ़ी पर उनके असर की तारीफ़ की।

युवराज ने लिखा, दादा, आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में शामिल होने पर आपको बधाई।

भारत और इंग्लैंड के बीच एकमात्र टेस्ट

विश्व कप की निराशा के बाद भारत का ध्यान अब ऐतिहासिक लॉर्ड्स टेस्ट पर

लंदन

आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, भारतीय टीम शुक्रवार से लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच के साथ नई शुरुआत करने की तैयारी कर रही है। हेड कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि टीम ने वर्ल्ड कप की निराशा को पीछे छोड़ दिया है और अब पूरी तरह से आगे की चुनौती पर ध्यान केंद्रित कर रही है। मैच से पहले मजूमदार ने कहा, जो बीत गया, उसे हम बदल नहीं सकते। हमने टीम के भीतर इस पर चर्चा की है। यह मैच होम ऑफ़ क्रिकेट (क्रिकेट का मक्का) में खेला जाने वाला पहला महिला टेस्ट होगा, जबकि इसी मशहूर मैदान पर पहला पुरुष टेस्ट 142 साल पहले खेला गया था।

पहली बार लॉर्ड्स में महिला टेस्ट की मेजबानी

इंग्लैंड की मेजबानी में खेला जाने वाला यह टेस्ट दोनों टीमों के लिए खास मायने रखता है। इंग्लैंड की महिला टीम अपना 103वां टेस्ट खेलेगी, जबकि भारत के लिए यह इतिहास का 43वां महिला टेस्ट होगा। सबसे बड़ी बात यह है कि लॉर्ड्स के इतिहास में पहली बार यहां महिला टेस्ट मुकाबला आयोजित किया जाएगा। लॉर्ड्स में मेन्स क्रिकेट के 150 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, लेकिन अब तक किसी महिला टेस्ट को यहां जगह नहीं मिली थी। महिला टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो सबसे ज्यादा 9 टेस्ट मैच वॉर्सेस्टर के न्यू रोड मैदान पर खेले गए हैं। वहीं, द ओवल ने 6, टॉन्टन के काउंटी ग्राउंड और स्कारबोरो के नॉर्थ मरीन रोड ग्राउंड ने 5-5 महिला टेस्ट मैचों की मेजबानी की है।

हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और इंग्लैंड की महिला टीमें अब तक टेस्ट क्रिकेट में 15 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इनमें भारत ने 3 मैच जीते हैं, जबकि इंग्लैंड को सिर्फ 1 जीत मिली है। बाकी 11 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया के सामने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के निराशाजनक अभियान को पीछे छोड़ते हुए इंग्लैंड में शानदार जीत दर्ज करने का मौका होगा।

कब और कहां देख पाएंगे मुकाबला?

भारत और इंग्लैंड के बीच ऐतिहासिक टेस्ट मुकाबला लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 10 जुलाई से शुरू होगा। यह चार दिवसीय टेस्ट मैच होगा, जो 13 जुलाई तक चलेगा। भारतीय समयानुसार 3:30 PM मुकाबले का आगाज होगा। ये मुकाबला सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव टेलीकास्ट होगा। फैंस सोनी स्पोर्ट्स 1 और सोनी स्पोर्ट्स 2 पर लाइव मैच का लुत्फ उठा पाएंगे। मोबाइल और लैपटॉप पर सोनी लिव के जरिए मैच की लाइव स्ट्रीमिंग देख पाएंगे।

दोनों टीमों का स्क्वाड

इंग्लैंड: नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, माइया बाउचियर, एलिस कैप्सी, टिली कॉर्टीन-कोलमैन, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, एमी जोन्स (विकेटकीपर), हीथर नाइट, एम्मा लैंब, ग्रेस पॉट्स, ऐली थ्रेलकेल्ड, मैडी विलियर्स, ईसी वोंग।

भारत: हमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), श्री चरणी, हरलीन देयोल, क्रांति गौड़, ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, प्रिया पूनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, नंदनी शर्मा, रेणुका सिंह, शैफाली वर्मा।

स्टोक्स के संन्यास के वीडियो को लेकर आईसीसी ने ईसीबी से किया संपर्क

दुबई

आईसीसी ने ईसीबी से कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के के दौरान बेन स्टोक्स के संन्यास की घोषणा करना उसके 'प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया' नियमों का उल्लंघन था। आईसीसी ने ईसीबी को लिखे पत्र में यह बात कही है। स्टोक्स के संन्यास का फ़ैसला ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के चौथे दिन सार्वजनिक किया गया, जबकि मैच अभी चल ही रहा था। उस सुबह खेल शुरू होने से पहले, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया और ईसीबी की मीडिया टीम ने इस बातचीत का विडियो बनाया। ऑडियो के साथ यह फ़ुटेज, चाय के ब्रेक से ठीक पहले ब्रॉडकास्टर्स और सोशल मीडिया पर जारी किया गया, जबकि खेल जारी था। इसके बाद आईसीसी ने ईसीबी को सूचित किया कि टेस्ट खत्म होने से पहले फुटेज जारी करना उसके पीएमओए के न्यूनतम मानकों का उल्लंघन है। ये नियम किसी चल रहे इंटरनेशनल मैच के दौरान टीम ड्रेसिंग रूम से ऑडियो और वीडियो की रिकॉर्डिंग और ब्रॉडकास्ट पर रोक लगाते हैं। इन नियमों में कहा गया है कि ब्रॉडकास्ट के मकसद से ड्रेसिंग रूम के अंदर किसी भी फिक्स्ड या अस्थायी रिकॉर्डिंग उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

फीफा वर्ल्ड कप- 2026

17 खिलाड़ियों पर सेमीफाइनल से बाहर होने का खतरा मंडराया

न्यूयॉर्क

फीफा वर्ल्ड कप क्वार्टर-फ़ाइनल में जाने वाले 17 खिलाड़ी सस्पेंशन से बस एक येलो कार्ड दूर हैं, और खिताब की दावेदार कई टीमों के अहम खिलाड़ियों के सेमीफ़ाइनल से बाहर होने का खतरा है।

ग्रुप स्टेज के दौरान मिले येलो कार्ड नॉकआउट राउंड से पहले हटा दिए गए थे, लेकिन राउंड ऑफ़ 32 और क्वार्टर-फ़ाइनल के बीच दो बुकिंग पाने वाले किसी भी खिलाड़ी को सेमीफ़ाइनल के लिए सस्पेंड कर दिया जाएगा, अगर उनकी टीमें आगे बढ़ती हैं। अनुशासनात्मक मामलों में इंग्लैंड और मोरक्को को सबसे ज़्यादा चिंता का सामना करना पड़ रहा है। फ्रांस के खिलाफ़ क्वार्टर-फ़ाइनल से पहले मोरक्को के चार खिलाड़ियों पर खतरा मंडरा रहा है; इस्सा डियोप, अशरफ़ हकीमी, रेडौने हलहल और बिलाल एल खानूस - ये सभी सस्पेंशन से बस एक बुकिंग दूर हैं। फ्रांस के भी दो अहम खिलाड़ी अनुशासनात्मक मुश्किल में हैं; फ़ॉरवर्ड माइकल ओलिस और मिडफ़ील्डर मनु कोने, दोनों के संभावित सेमीफाइनल से बाहर होने का खतरा है।

इंग्लैंड को शायद सबसे ज़्यादा नुकसान हो सकता है। मिडफ़ील्डर जूड बेलिंगहम, डिफेंडर मार्क गुएही, होल्डिंग मिडफ़ील्डर डेक्लान राइस और लेफ्ट बैक निको ओरेली - ये सभी सस्पेंशन से एक येलो कार्ड दूर हैं। मिडफ़ील्डर जॉर्डन हेंडरसन भी एक बुकिंग के साथ नॉकआउट स्टेज में आए थे, लेकिन कलाई टूटने की चोट के कारण वह पहले ही बाहर हो चुके हैं। नॉर्वे के विंगर एंटोनियो नुसा भी सस्पेंशन से एक चेतावनी दूर हैं।

अगर बुकिंग उनके खिलाफ़ जाती है, तो स्विट्जरलैंड तीन अहम खिलाड़ियों के बिना हो सकता है; कप्तान ग्रैनिट ज़ाका, डेनिस ज़कारिया और मिरो मुहेम - सभी खतरे में हैं।

शुक्रवार को स्पेन और बेल्जियम के बीच होने वाले क्वार्टर-फ़ाइनल में, स्पेन के फ़ॉरवर्ड फेरान टोरेस (जिन्होंने पुर्तगाल के खिलाफ़ राउंड-ऑफ़-16 की जीत में बेंच से आकर प्रभावित किया था) और बेल्जियम के डिफेंडर ब्रैंडन मेचेले, दोनों ही बैन से एक बुकिंग दूर हैं।

अर्जेंटीना का सिर्फ़ एक खिलाड़ी खतरे में है; डिफेंडर गोंजालो मोंटियल, लियोनेल स्कालोनी की टीम के अकेले सदस्य हैं जिन्हें सस्पेंशन का सामना करना पड़ सकता है।

विंबलडन को मिलेगी नई महिला चैम्पियन

चेक गणराज्य की मुचोवा और नोस्कोवा में होगी खिताबी टक्कर

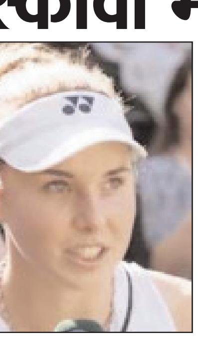

लंदन

चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने तीन सेटों तक खिंचे बेहद रोमांचक मुकाबले में गुरूवार को अमेरिका की कोको गॉफ को 6-2, 1-6, 7-6 (12-10) से हराकर विंबलडन के महिला वर्ग के खिताबी मुकाबले में पहली बार प्रवेश कर लिया जहाँ उनका सामना अपने ही देश की लिंडा नोस्कोवा से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में मार्टा कोस्त्युक को 6-4, 6-4 से पराजित किया। पहले सेमीफाइनल में मुचोवा ने टाई ब्रेक तक खींचे निर्णायक सेट में मैच पॉइंट बचाया और गॉफ़ को शिकस्त दी। इस साल यह उनकी गॉफ़ पर दूसरी जीत थी, जबकि इससे पहले वे आमने-सामने के शुरुआती छह मुक़ाबले हार चुकी थीं। शनिवार को होने वाले फ़ाइनल में उनका मुक़ाबला नंबर 9 सीड लिंडा नोस्कोवा से होगा जिन्होंने नंबर 12 सीड यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक को लगातार सेटों में 6-4,6-4 से हराया।

चौथा टी-20: भारत ने इंग्लैंड को दिया 159 रनों का लक्ष्य

ब्रिस्टल

कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतक की मदद से भारत ने इंग्लैंड को चौथे टी-20 मैच में 159 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 158 रन बनाए। भारत के लिए सिर्फ श्रेयस ने शानदार बल्लेबाजी की जिन्होंने 49 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन बनाए। उनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाजी बड़ी पारी नहीं खेल सका। श्रेयस और शिवम दुबे के बीच चौथे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई जो एकमात्र बड़ी साझेदारी रही। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर सस्ते में आउट हुए।

भारत के लिए श्रेयस के अलावा शिवम दुबे ने 22 रन बनाए, जबकि अभिषेक ने 16, वैभव ने 15, तिलक वर्मा 11, वाशिंगटन सुंदर ने 5 और ईशान किशन ने 4 रन बनाए। अक्षर पटेल एक रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की ओर से जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने दो-दो विकेट लिए, जबकि विल जैक्स और आदिल राशिद को एक-एक सफलता मिली।

श्रीलंका अंडर-19 ने भारत अंडर-19 को एक विकेट से दी शिकस्त

हंबनटोटा

भारतीय क्रिकेट के सितारे इन दिनों गर्दिश में नजर आते हैं। महिला टीम को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज से बाहर होना पड़ा। पुरुष टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के सामने संघर्ष कर रही है। वहीं अंडर-19 टीम को श्रीलंका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तीसरे वनडे में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 290 रन बनाए, जिसमें वीके विनीत के 131 रन शामिल रहे। शविन विनोद और अनमोलजीत सिंह ने गेंदबाजी में श्रीलंका को लक्ष्य से दूर करने के लिए खूब जोर लगाया। उनके कड़े प्रयास के बावजूद 1 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

वीके विनीत अकेले पड़े

यहां श्रीलंका अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 31 रन के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान यशबर्धन चौहान (6), रजत बघेल (8) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद वीके विनीत और लक्ष्य रायचंदानी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिये 108 रनों की साझेदारी हुई। 27वें ओवर में लक्ष्य रायचंदानी (61) के आउट होने पर यह साझेदारी टूटी। इसके बाद कुशाग्र ओझा (तीन), अर्जुन राजपूत 14 रन बनाकर आउट हुये। 45वें ओवर में भारत का छठा विकेट वीके विनीत के रूप में गिरा। वीके विनीत ने 136 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 131 रनों की पारी खेली। शाविन विनोद्ध (28) रन बनाकर सातवें विकेट के रूप में आउट हुये। भारतीय अंडर-19 टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 290 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। मोहित उल्वा (19) रन बनाकर नाबाद रहे। अनमोलजीत सिंह (चार) 50वें ओवर की पांचवीं गेंद पर रनआउट हुये।

श्रीलंका अंडर-19 के लिए सेथमिका सेनेविराते ने चार विकेट लिये। गिमहान मेंडिस को दो विकेट मिले।

एक विकेट से जीता श्रीलंका

लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरी श्रीलंका की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही। रेहान पेरिस को 21 रन के संयुक्त स्कोर पर पवेलियन की राह दिखा दी थी। फिर शविन विनोद ने 12वें ओवर में 2 विकेट लेकर विपक्षी टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। फिर सेनुजा वेकुनागोडा (67) और कविजा गमागे ने (29) ने श्रीलंका को संकट से बाहर निकाला। अंत में चमीका हीनातिगला की 68 गेंदों में 84 रन की नाबाद पारी ने मुकाबले को भारत ने छीन लिया। शविन विनोद और अनमोलजीत सिंह क्रमशः 3 और विकेट लेकर भी हारने वाली साइड की ओर रहे।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को फिर रौंदा, सीरीज पर किया कब्जा

हरारे

जिम्बाब्वे ने अपने घर पर इतिहास रच दिया है। बांग्लादेश को इकलौते टेस्ट में हराने के बाद अब वनडे सीरीज में भी अजेय बढ़त बना ली है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में मेजबान जिम्बाब्वे ने शानदार खेल दिखाते हुए बांग्लादेश को 13 रनों से हरा दिया है। इस रोमांचक जीत के साथ ही जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. जिम्बाब्वे ने इससे पहले पहला वनडे 25 रन से जीता था, और इस दूसरे मैच को 13 रन से जीतकर सीरीज़ अपने नाम कर ली है।

जिम्बाब्वे ने बोर्ड पर लगाए 247 रन

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन जिम्बाब्वे ने कमाल की बल्लेबाजी की और 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 247 रनों का स्कोर खड़ा किया। इस दौरान बेन करन ने एक कमाल की पारी खेली और 111 रन बनाए। खास बात ये रही कि वो बतौर ओपनर उतरे थे और अंत तक आउट नहीं हुए। वहीं, ब्रैड इवांस ने आखिरी के ओवरों में 38 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 58 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। वहीं,सिकंदर रजा ने भी 33 रनों की एक अहम पारी खेली। दूसरी ओर, बांग्लादेश के लिए तस्किन अहमद और मेहदी हसन मिराज ने सबसे ज्यादा 2-2 विकेट हासिल किए।

जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने बरपाया कहर

248 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत ठीक-ठाक रही। तंजिद हसन ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम की जीत की उम्मीदें जगाए रखी। वहीं, तौहीद हृदोय ने भी 60 रन बनाए। एक समय बांग्लादेश ने 2 विकेट गंवाकर 122 रन बना लिए थे। लेकिन इसके बाद जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की। रिचर्ड नगारवा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। वहीं, ब्लेसिंग मुजारबानी और ब्रैड इवांस ने 2-2 विकेट चटकाए। बांग्लादेश 48.1 ओवर में 234 रन ही बना सका।

कोच फैक्ट्री में 286 कोचों का मेंटेनेंस, बनाया रिकॉर्ड

भोपाल (नगर संवाददाता)

रेलवे ने यात्री सुरक्षा और आरामदायक सफर की दिशा में अपने सेफ्टी मिशन को नई गति दी है। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल स्थित 'सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना (कोच फैक्ट्री)' ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) के प्रथम तिमाही कुल 286 कोचों का सफलतापूर्वक पीरियोडिक ओवर हॉलिंग कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। जबकि जून में 99 कोचों का पीओएच किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी में भोपाल कारखाना प्रबंधन ने टीम भावना और सुनियोजित कार्ययोजना के साथ यह सफलता हासिल की। इस हाईटेक मरम्मत से न केवल यात्रियों का सफर सुरक्षित और आरामदायक होगा, बल्कि ट्रेनों के तकनीकी खराबी के कारण निरस्त होने या देरी से चलने की संभावना भी कम हो जाएगी।

16 साल की किशोरी से दो नाबालिग लड़कों ने किया गैंगरेप

वीडियो हुआ वायरल, पीड़िता के भाई के मोबाइल पर भी भेजा वीडियो, एक बाल अपचारी गिरफ्ता

भोपाल (नगर संवाददाता)

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में 16 साल की किशोरी से गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मोहल्ले के दो नाबालिग लड़कों ने वारदात को अंजाम दिया है। खुलासा उस समय हुआ जब बाल अपचारियों ने अपने मोबाइल से घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। एक बाल अपचारी ने पीड़िता के भाई को भी वीडियो भेज दिया। बुधवार शाम परिजन वीडियो लेकर थाने पहुंचे और दोनों नाबालिगों के खिलाफ गैंगरेप, पॉक्सो एक्ट व आईटी एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया।

पुलिस ने देर रात एक विधि विरुद्ध बालक को हिरासत में ले लिया है जबकि उसका साथी फरार है। सरगर्मी से उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या इससे पहले भी बाल अपचारियों ने पीड़िता के साथ कोई गलत काम किया था।

पुलिस के मुताबिक कटारा हिल्स इलाके में रहने वाली 16 साल की नाबालिग पढ़ाई छोड़ चुकी है। माता-पिता मेहनत-मजदूरी करते हैं। विगत एक जुलाई की सुबह नाबालिग अपने घर के पास अकेली खड़ी थी। उसी समय मोहल्ले में रहने वाले दो नाबालिग लड़के आए और जरूरी बात करने के बहाने किशोरी को अपने साथ बस्ती के स्कूल के पीछे सुनसान स्थान पर ले गए। वहां दोनों ने डरा-धमकाकर बारी-बारी किशोरी से दुष्कर्म किया। इस बीच एक बाल अपचारी ने अपने मोबाइल से वीडियो भी बना लिया। विधि विरुद्ध बालकों ने पीड़िता को इतनी बुरी तरह डरा-धमका दिया कि घर आकर उसने घटना की जानकारी परिजनों को भी नहीं दी।

कुछ दिनों से पीछे पड़े थे

पुलिस ने बताया कि खुलासा बुधवार 8 जुलाई को उस समय हुआ जब विधि विरुद्ध बालकों ने पीड़ित किशोरी के भाई के मोबाइल पर वीडियो भेजा। बाल अपचारियों ने सोशल मीडिया पर भी वायरल कर दिया। परिजन शिकायत लेकर थाने पहुंचे। काउंसिलिंग और पीड़िता के बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया गया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि बीते कई दिनों से मोहल्ले के दोनों लड़के उस पर जबरन दोस्ती करने और साथ घूमने-फिरने का दबाव बना रहे थे। लेकिन वह उनसे बात नहीं करती थी।

म.प्र. में मातृ-शिशु स्वास्थ्य सुधारेगी एम्स की तकनीक

भोपाल। प्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों से लेकर दूरदराज के गाँवों तक मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी तस्वीर बदलने वाली है। महिला बाल विकास विभाग और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के मध्य एमओयू किया जायेगा। एमओयू से एम्स की हाईटेक तकनीक और विशेषता का लाभ सीधे फ्रंटलाइन वर्कर्स को मिलेगा। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने गुरूवार को मंत्रालय में उच्च स्तरीय बैठक में इस साझेदारी को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए हैं। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बच्चों और महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य व संपूर्ण पोषण को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। एम्स भोपाल की तकनीकी विशेषज्ञता से हमारे फ्रंटलाइन वर्कर्स और आंगनवाड़ी केंद्रों को नई मजबूती मिलेगी.

शिशु एवं मातृ मृत्युदर में कमी करने जिला स्तर पर विशेषज्ञों की भर्ती करेगी सरकार

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में एनीमिया से शिशु एवं मातृ मृत्युदर कम करने सरकार जिला स्तर पर विशेषज्ञों की भर्ती करेगी। बाल विवाह जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए भी शासन प्रभावी नियंत्रण की योजना बनाकर समन्वय के साथ काम करेगा। इसकी विशेष रूप से तैयारियां की जा रही हैं। गुरुवार को उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से वल्लभ भवन में यूनीसेफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल में यूनीसेफ इंडिया के उप प्रतिनिधि जैस्पर मिलर, यूनीसेफ इंडिया की चीफ फील्ड सर्विसेज सुश्री सोलेदाद हेरेरो, यूनीसेफ मप्र के प्रमुख विलियम हैनलोन और कम्यूनिकेशन स्पेशलिस्ट अनिल गुलाटी उपस्थित रहे। बैठक में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी, एनीमिया नियंत्रण, कुपोषण, बाल विवाह की रोकथाम तथा उच्च जोखिम गर्भावस्था के प्रभावी प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम करने तथा एनीमिया की चुनौती से निपटने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। राज्य सरकार जिला स्तर पर विशेषज्ञों की भर्ती कर मानव संसाधन की कमी दूर करने की दिशा में कार्य कर रही है। हीमोग्लोबिन जांच की सुविधा सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा अन्य संबंधित विभागों के समन्वय से कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने इस कार्ययोजना के निर्माण में यूनीसेफ से तकनीकी सहयोग का आग्रह किया।

यूनीसेफ कर सकता है सहयोग

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यूनीसेफ राज्य के मास्टर ट्रेनर्स की क्षमता निर्माण में सहयोग कर सकता है, ताकि वे जिलों में प्रशिक्षण देकर उच्च जोखिम गर्भावस्था की समय पर पहचान, सुरक्षित प्रसव और नवजात शिशु देखभाल को मजबूत कर सकें। उन्होंने पंचायतों के सहयोग से राज्य स्तरीय जन-जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी बताई। उपमुख्यमंत्री ने यूनीसेफ से ऐसे सरल एवं प्रभावी मुख्य संदेश उपलब्ध कराने का आग्रह किया, जिन्हें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेतृत्व के माध्यम से व्यापक स्तर पर प्रसारित किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी और विभागीय समन्वय से एनीमिया, शिशु एवं मातृ मृत्यु तथा बाल विवाह जैसी चुनौतियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। यूनीसेफ इंडिया के उप प्रतिनिधि (कार्यक्रम) श्री मिलर ने शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने इस दिशा में राज्य द्वारा लागू किए जा रहे ॠसुमन रोडमैपॠ की प्रशंसा की। साथ ही, राज्य में मदर एंड न्यूबॉर्न चाइल्ड केयर यूनिट्स (एमएनसीयू) की स्थापना की पहल के लिए भी मध्यप्रदेश को बधाई दी। सुश्री सोलेदाद हेरेरो ने कुपोषण और बाल विवाह के परस्पर संबंधों पर चर्चा की।

नियम विरुद्ध BRCC ने नोडल गठित किए, स्कूल संचालक विरोध में उतरे

बीआरसीसी ने बताया, परिवर्तित आदेश किए जा रहे हैं जारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल में फंदा पुराना शहर के बीआरसीसी ने नियम का उल्लंघन किया है। विभाग का कोई निर्देश नहीं है। इसके बाद भी उन्होंने रिटायर शिक्षकों को आईटी के तहत प्रवेशित बच्चों की निगरानी के लिए नोडल बना दिया है।

मप्र प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने कहा- सोचा समझा अपराध

अब इस मामले में मध्य प्रदेश प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन आगे आया है। संगठन के अध्यक्ष अजीत सिंह कहना है कि निःशुल्क शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 में अध्यनरत विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति में ब्लॉक स्त्रोत समन्वयक बीआरसीसी द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। भोपाल के पुराना शहर बीआरसीसी द्वारा जानबूझकर रिटायर्ड शिक्षकों को नोडल के रूप में नियुक्त किया गया है। यह एक सोचा समझा अपराध है।

अजीत का कहना है कि वर्ष 2024- 25 की प्रतिपूर्ति के लिए अब नोडल अधिकारी नियुक्त किया जा रहे हैं। अजीत सिंह का कहना है कि तुरंत बीआरसीसी को पद से मुक्त किया जाए और इसकी जांच कराई जाए। क्योंकि कक्षा पांचवी आठवीं की परीक्षा के निर्धारण में भी इनके द्वारा मनमानी की गई।

चार माह पुराना है आदेश : रघुवंशी

इस संबंध में बीआरसीसी सुरेंद्र सिंह रघुवंशी का कहना है कि चार माह पूर्व नोडल अधिकारी गठित करने का आदेश हुआ था। तब नाम जिला शिक्षा केन्द्र भेजे गये थे। अभी यह सूची जारी हुई है। जिसमें करीब 12 टीचर रिटायर्ड हो गये हैं। रिटायर्ड शिक्षकों ने आवेदन दिए कि वह सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इस कारण उनकी जगह दूसरे टीचरों को नोडल बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया जिला शिक्षा केंद्र द्वारा की जाती है।

भवन कारोबारियों ने केवल घर के 'सपने' बेचे, सुविधाओं के लिए भटक रहे रहवासी

कलेक्टर ने बिल्डरों को फोन कर बुलाया लगाई फटकार, समाधान की दी हिदायत

90 प्रतिशत शिकायत कोलार से,40 प्रतिशत सड़क, पानी और सीवेज की दिक्कतें

भोपाल (नगर संवाददाता)

करोड़ों रुपये की कॉलोनियां तो खड़ी कर दी गईं, लेकिन उनमें रहने वाले लोग आज भी सड़क, पेयजल, सीवेज, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में हुई जनसुनवाई ने कॉलोनियों के विकास के दावों की पोल खोल दी। जनसुनवाई में कुल 287 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें करीब 90 प्रतिशत शिकायतें अकेले कौलार क्षेत्र से थीं। इनमें लगभग 40 प्रतिशत शिकायतें पेयजल, सीवेज, स्ट्रीट लाइट, पार्किंग और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी थीं। बड़ी संख्या में रहवासियों ने बताया कि वे एक ही समस्या को लेकर कई बार आवेदन दे चुके हैं, लेकिन अब तक न तो बिल्डरों ने जिम्मेदारी निभाई और न ही समस्याओं का स्थायी समाधान हो सका।

शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन को मौके पर ही 25 बिल्डरों से फोन पर जवाब-तलब करना पड़ा। वहीं पांच बिल्डरों को तत्काल कलेक्टर कार्यालय बुलाकर कड़ी फटकार लगाई गई और लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

रहवासियों के सवाल

सुविधाएं अधूरी तो प्रमाण पत्र कैसे जारी किया

जनसुनवाई में सबसे बड़ा सवाल नगर निगम की कार्यप्रणाली को लेकर भी उठा। रहवासियों का कहना था कि कई कॉलोनियों में सड़क, सीवेज, पेयजल, स्ट्रीट लाइट और पार्क जैसी अनिवार्य सुविधाएं आज तक पूरी नहीं हुईं, फिर भी संबंधित बिल्डरों को कम्प्लीशन सर्टिफिकेट (पूर्णता प्रमाण पत्र) कैसे जारी कर दिए गए। लोगों का आरोप है कि विकास शुल्क लेने के बावजूद कॉलोनाइजरों ने वादे पूरे नहीं किए और शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई।

ईशान ग्रांड स्टेट और गंगा हाइट्स का मामला प्रमुख

होशंगाबाद रोड स्थित ईशान ग्रांड स्टेट कॉलोनी के रहवासियों ने बिल्डर पर स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण, ग्रीन एरिया में अतिक्रमण और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने का आरोप लगाया। वहीं बैरागढ़ चिचली स्थित गंगा हाइट्स फेज-2 के रहवासियों ने नगर निगम की शर्तें पूरी किए बिना फ्लैटों का पजेशन देने तथा सड़क, पानी, सीवेज, पार्किंग और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायत की। दोनों कॉलोनियों के रहवासियों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

अब कोलार में लगेगी विशेष जनसुनवाई

एडीएम सुमित पांडे ने बताया कि कोलार क्षेत्र से लगातार बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के कारण करीब 20 दिन बाद वहीं विशेष जनसुनवाई आयोजित की जाएगी।

इसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों, बिल्डरों और रहवासियों को एक ही स्थान पर बुलाकर मौके पर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इससे लंबे समय से लंबित मामलों के निपटारे में तेजी आएगी।

नामांतरण और बीपीएल के मामले भी पहुंचे

जनसुनवाई में केवल कॉलोनियों की समस्याएं ही नहीं, बल्कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद लंबित नामांतरण प्रकरण और पात्र हितग्राही का बीपीएल सूची में नाम शामिल नहीं होने का मामला भी सामने आया।

इससे साफ है कि नागरिकों की परेशानी केवल अधूरी कॉलोनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्व और सामाजिक योजनाओं से जुड़े मामलों में भी देरी बनी हुई है।

गुरुवार को सांदीपनी विद्यालय, टीटी नगर में विद्यार्थियों के बैठे कलेक्टर प्रियंक मिश्रा।

निरीक्षण को पाठशाला पहुंचे तो चखा भोजन और टटोला बच्चों का मन

शिक्षा को पारदर्शी बनाने जिला स्तर पर बनेंगे नियंत्रण केंद्र

जिले की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए जिला स्तर पर 'सेंट्रलाइज्ड एजुकेशन मॉनिटरिंग सिस्टम' के तहत अत्याधुनिक कंट्रोल कमांड रूम स्थापित किया जाएगा। गुरुवार को सांदीपनी विद्यालय, टीटी नगर में समग्र शिक्षा अभियान की समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता, छात्र सुरक्षा और नियमित मॉनिटरिंग प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। बैठक के बाद उन्होंने विद्यालय का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के साथ सहभोज कर संवाद भी किया।

'ड्रॉप आउट' छिपाया तो होगी कार्रवाई हर छात्र की होगी डिजिटल देखरेख

कलेक्टर ने नई शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में कौशल आधारित प्रशिक्षण, अटल टिंकरिंग लैब के प्रभावी संचालन और प्रत्येक विद्यार्थी में कम से कम एक व्यावहारिक कौशल विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों का सही डेटा पोर्टल पर दर्ज करने और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

15 जुलाई से शुरू होगा 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान

नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 जुलाई से जिलेभर के स्कूलों और कॉलेजों में 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा और सभी शासकीय महाविद्यालयों में एंटी ड्रग कमेटियों का गठन कर नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही भोपाल को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। बैठक में ड्रग इंस्पेक्टर को एनकॉर्ड के नियमों का उल्लंघन करने वाले संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स का डेटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिले के सभी नशा मुक्ति केंद्रों के लिए ऑनलाइन ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने का फैसला लिया गया, ताकि मरीजों के उपचार और पुनर्वास की निगरानी बेहतर ढंग से की जा सके।

रंगकर्मी को दांत से काटकर किया घायल

भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में एक रंगकर्मी के साथ मारपीट कर उसे घायल करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने विवाद के दौरान रंगकर्मी की दाहिने हाथ की अंगुली को दांत से काट लिया, जिससे वह लहूलुहान हो गया। पुलिस के अनुसार घायल कुलदीप असवारे (24) सिंगारचोली में किराए से रहते हैं और अभिनय से जुड़े हैं। घटना बुधवार रात की है, जब कुलदीप अपने दोस्तों के साथ मेयो कॉलेज के पास बैठे थे। तभी कुनाल नामक युवक ने उन्हें एक पुराने विवाद का वीडियो दिखाने की बात कही। इसके बाद कुलदीप आरोपी के घर पहुंचे और एक माह पहले हुई मारपीट के वीडियो को सार्वजनिक करने का विरोध किया। इसी बात पर विवाद बढ़ गया और आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं। कुलदीप शहर के भारत भवन और रवीन्द्र भवन में कई नाटकों में अभिनय कर चुके हैं। मामले की जांच जारी है।

स्वच्छता नियम तोड़ने वालों पर निगम की कार्रवाई

भोपाल। राजधानी में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से नगर निगम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलीथीन का उपयोग करने, सड़कों पर सी एंड डी (निर्माण एवं विध्वंस) वेस्ट फेंकने तथा दीवारों और बिजली

सरकारी कॉलेजों में हजारों छात्र प्रवेश के लिए पहुंचे

तीन लाख सीटों को भरने के लिए कॉलेजों में प्रवेश मेले शुरू

भोपाल (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी कॉलेजों में 15 जुलाई तक प्रवेश मेला आयोजित करने कहा है। भोपाल के सभी कॉलेजों में गुरुवार को लगभग 1000 संख्या में छात्र प्रवेश के लिए पहुंचे। हालांकि इनमें से 50 फीसदी छात्रों ने प्रवेश के लिए सहमति दी है। वे पूरे दस्तावेज नहीं लाए थे। इसलिए अगले दो-तीन में वे प्रवेश लेने की बात कही है।

वही कॉलेज प्रबंधन का मानना है कि मेले की जानकारी छात्रों को आज से ही मिली है। इसलिए एक- दो दिन बाद छात्र बड़ी संख्या में प्रवेश के लिए आएंगे। बता दें कि प्रदेश के 1326 निजी और शासकीय कॉलेजों की लगभग 10 लाख सीटों में से लगभग 6.50 छात्रों ने प्रवेश के लिए नामांकन कराया था। इनमें से लगभग 4.50 लाख छात्रों ने फीस जमाकर प्रवेश लिया है। कॉलेज प्रबंधन, जो नामांकित छात्र पहले दो चरणों में कॉलेज नहीं आए थे, को मोबाइल से संदेश भेजकर प्रवेश लेने को कहा है। इसके अलावा नए छात्र खासकर जो पिछली परीक्षा पास कर अब कॉलेज आए हैं, वे भी इस मेले में आकर प्रवेश ले सकेंगे।

ये रही स्थिति

कोलार के एकमात्र को-एड श्यामाप्रसाद मुखर्जी सरकारी कॉलेज में प्रवेश मेला गुरुवार से शुरू हुआ। यहां प्राचार्य प्रभारी डॉ. कीर्ति जैन ने बताया कि हेल्प सेंटर समिति और सत्यापन समिति छात्रों को प्रवेश के लिए परामर्श तथा सहायता दी। कॉलेज में यूजी-पीजी में 591 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। अब रिक्त सीट्सों की जानकारी चस्पा कर दी है। कॉलेज चलो अभियान समिति के सदस्य भी विद्यालयों और जन-प्रतिनिधियों से सतत सम्पर्क कर रहे हैं।

अभिभावकों ने ली जानकारी

इटारसी के कन्या कालेज के डॉ संजय आर्य ने बताया कि प्रवेश मेला शुरू हो गया है। चूंकि इटारसी तहसील का सबसे बड़ा और एकमात्र कन्या कॉलेज है। मेले के दूसरे दिन तहसील के आसपास के ग्रामीण अभिभावक अपनी बेटियों को लेकर आए और जानकारी ली। इसके अलावा अभिभावकों और छात्रों को मोबाइल पर मेले की जानकारी भेज दी है। हम इन अभिभावकों से लगातार संपर्क में हैं। यहां कुल 550 सीटें हैं। जिनमें से कुछ सीटें रिक्त हैं।

प्राध्यापक बने विद्यार्थी, कुलगुरु पीछे बैठकर ले रहे नोट्स

एमसीयू में एआई की सुपरमास्टर क्लास

भोपाल (नगर संवाददाता)

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नए सत्र की तैयारी है। पहले चरण की काउंसलिंग पूरी हो चुकी है। क्लासरूम खुल रहे हैं। मगर दृश्य अनूठा है। पहली क्लास विद्यार्थियों की नहीं है। यहाँ सारे प्रोफेसर और एचओडी स्वयं दस दिन के लिए विद्यार्थी की भूमिका में विद्यार्थियों की ही जगह पर बैठे एक नए विषय में बाहर से आए विशेषज्ञों को सुन रहे हैं। प्रेक्टिकल कर रहे हैं। प्रश्न पूछ रहे हैं। नोट्स ले रहे हैं। रोचक यह है कि कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी स्वयं बैक बेंचर हैं। वे विद्वान आचार्यों के सबसे पीछे बैठे अपनी डायरी में नोट्स ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के तक्षशिला भवन स्थित लता मंगेशकर सभागृह में यह एक ऐसी सुपर मास्टर क्लास है, जिसकी तैयारी पिछले आठ महीने से चलती रही है।

यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से दस दिन के फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का हिस्सा है, जिसमें देश के जाने-माने एआई विशेषज्ञ पढ़ाने वालों को पढ़ाने आ रहे हैं। विश्वविद्यालय में पहली बार मीडिया के पाठ्यक्रमों में इसी सत्र से एआई जुड़ने जा रहा है।

दो साल का एक नया पीजी कोर्स भी जोड़ा गया है। इस नए विषय के लिए सब स्वयं को तैयार करने में जुटे हैं ताकि एडमिशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरु होने वाली कक्षाओं में वे विद्यार्थियों का सामना पूरी तैयारी से कर सकें।

एमसीयू में एआई एफडीपी का दूसरा दिन

विषय विशेषज्ञ उमेश आर्य ने कहा कि अकादमिक और रिसर्च सेक्टर्स में एआई से बहुत अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। कई एआई टूल्स की सहायता से बहुत बड़े डेटा और डाक्युमेंट्स को कुछ ही समय में विश्लेषित किया जा सकता है। इसके साथ ही अगर बड़ी फाइलों का तुलनात्मक अध्ययन करना हो, संक्षेपिका तैयार करनी हो तो भी एआई बहुत मददगार हो सकता है। उन्होंने आगे बताया कि एआई के साथ काम करने से रिसर्च में बहुत मदद मिलती है। साथ ही एआई के साथ काम करने के लिए लिए उसकी कार्यप्रणाली और कुछ बुनियादी टूल्स की समझ बहुत जरूरी है।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।